राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार,26सितम्बर2020 वर्ष-3, अंक -240 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कृषि बिल के खिलाफ किसानों का भारत बंद, पंजाब में यातायात सेवा ठप

नई दिल्ली। कृषि बिल को लेकर में आज देशभर में किसान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन समेत विभिन्न किसान संगठनों ने आज देशभर में चक्का जाम करने का एलान किया है। इसमें 31 संगठन शामिल हो रहे हैं। किसान संगठनों को कांग्रेस, आरजेडी, समाजवादी पार्टी, अकाली दल, टीएमसी समेत कई पार्टियों का साथ भी मिला है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कृषि संबंधी विधेयकों को लेकर ट्रैक्टर रैली निकाली है। इससे पहले पंजाब में तीन दिवसीय रेल रोको अभियान की गुरुवार से शुरुआत हो गई है। किसान रेलवे ट्रैक पर डटे हुए हैं और बिल को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। इसका सबसे ज्यादा असर हरियाणा, पंजाब और खासतौर से पश्चिम बंगाल में देखने को मिल सकता है। इसके अलावा अन्य राज्यों के साथ राजनीतिक दल भी विधेयक के विरोध में सड़कों पर उतरने के लिए तैयार हैं।

पंजाब में बाजार और यातायात ठप-पंजाब में भारत बंद के तहत बाजार और दुकानें बंद हैं। इसके अलावा सड़क और रेल यातायात भी ठप है। प्रदर्शन के मद्देनजर सुरक्षा-व्यवस्था के कड़े इंतेजाम किए गए हैं। अमृतसर में किसानों के बंद के समर्थन में पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के कलाकार हरदीप गिल और अनीता देवगन भी पहुंचे और प्रदर्शन किया।

किसानों के देशभर में भारत-बंद के ऐलान के मद्देनजर दिल्ली-यूपी सीमा पर अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है। दिल्ली बॉर्डर पर कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था की गई है।

ना दाम मिलेगा, ना सम्मान-प्रियंका गांधी

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि किसानों से एमएसपी छीन ली जाएगी। उन्हें कांट्रेक्ट फार्मिंग के जरिए खरबपतियों का गुलाम बनने पर मजबूर किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि ना दाम मिलेगा ना सम्मान। किसान अपने ही खेत पर मजदूर बन जाएगा। भाजपा कृषि बिल ईस्ट इंडिया कंपनी राज की याद दिलाता है। हम ये अन्याय नहीं होने देंगे।

क्या है किसानों की चिंता

किसानों की असली चिंता एमएसपी को लेकर है। कृषि मंडियों को लेकर है। उन्हें डर है कि नए बिल के प्रावधानों की वजह से कृषि क्षेत्र पूंजीपतियों और कॉर्पोरेट घरानों के हाथों में चला जाएगा। कुछ संगठन और सियासी दल चाहते हैं कि एमएसपी को बिल का हिस्सा बनाया जाए ताकि अनाज की खरीदारी न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे ना हो। जबकि सरकार साफ-साफ कह चुकी है कि एसएसपी और मंडी व्यवस्था पहले की तरह ही जारी रहेगी।

बिहार में तेजस्वी यादव की ट्रैक्टर रैली-किसानों के विरोध प्रदर्शन में नेता भी शामिल हो रहे हैं। इसी क्रम में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कृषि बिल के खिलाफ ट्रैक्टर रैली निकाली है। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार ने हमारे अन्नदाता को निधि दाता के जरिए कठपुतली बना दिया है। उन्होंने कहा कि कृषि बिल किसान विरोधी। सरकार ने कहा था कि वे 2022 तक किसानों की आय दोगुना करेंगे, लेकिन ये बिल उन्हें और गरीब बना देगा। आरजेडी नेता ने कहा कि कृषि क्षेत्र का कॉर्पोरेटकरण किया गया है।

अमृतसर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग किया ब्लॉक-पंजाब के जालंधर में फिलौरी के पास किसानों ने अमृतसर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग को ब्लॉक कर दिया है। पंजाब में भारत बंद के मद्देनजर सभी मार्केट एसोसिएशन ने दुकानें बंद रखने को कहा है। इस दौरान सिर्फ जरूरी सेवाएं दी जाएंगी।

कर्नाटक में किसानों का प्रदर्शन

कर्नाटक स्टेट फार्मर्स एसोसिएशन के सदस्य बोम्मनाहली में बिल को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था और कोरोना सुरक्षा नियमों को बनाए रखने के लिए क्षेत्र में पुलिस को तैनीत कर दिया गया है।

पंजाब में रेल ट्रैक पर बैठे किसान

पंजाब के अमृतसर में किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के लोगों का रेल रोको आंदोलन जारी है। यहां किसानों ने 24 सितंबर से आंदोलन शुरू किया था जो 26 सितंबर तक चलेगा। आंदोलन के मद्देनजर फिरोजपुर रेल मंडल ने एहतियत के तौर पर अमृतसर से चलने वाली सभी 14 स्पेशल ट्रेनों को 24 सितंबर से 26 सितंबर रात 12 बजे तक के लिए रद कर दिया है। गौरतलब है कि कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल बिल का विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस ने इस बिल को संघीय ढांचे के खिलाफ और असंवैधानिक करार दिया है। पार्टी प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि इन काले कानूनों को कोर्ट में चुनौती दी जाएगी। वहीं, अभिषेक मनु सिंघवी का आरोप है कि विधेयकों के जरिए सरकार ने देश में नई जमींदारी प्रथा का उद्घाटन किया है और इससे मुनाफाखोरी को बढ़ावा मिलेगा।

घाटी में जारी है आतंक का सफाया, अनंतनाग में सुरक्षाबलों ने लश्कर के 2 आतंकियों को मार गिराया

श्रीनगर जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की नापाक मंसूबों को ध्वस्त करने का काम भारतीय जवानों द्वारा लगातार जारी है। जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर के दौरान लश्कर के दो आतंकियों को मार गिराया है। कश्मीर जोन पुलिस के मुताबिक, अनंतनाग में जारी एनकाउंटर में जिन दो आतंकियों को सुरक्षाबलों ने ढेर किया है, उनकी पहचान आंतकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, इन आंतकियं के पास से भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार बरामद हुए हैं। हालांकि, सर्च अभियान अब भी जारी है। बता दें कि कल शाम में ही आतंकियों के छिपे होने की सुरक्षाबलों को सूचना मिली थी, जिसके बाद से अभियान चलाया गया। आतंकियों ने इसके बाद गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाबी कार्रवाई में भारतीय जवानों ने भी फायिरंग की। इससे पहले गुरुवार को पुलवामा जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में गुरुवार को एक आतंकवादी मारा गया था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह मुठभेड़ जिले के त्राल क्षेत्र के मगहमा में उस वक्त हुई जब सुरक्षा बल यहां घेराबंदी कर तलाश अभियान चला रहे थे। वहीं, बडगाम जिले में सीआरपीएफ पार्टी पर आतंकी हमले में एक जवान शहीद हुआ था।

अगर किसानों के हितों की रक्षा नहीं कर सकते तो NDA छोड़ दें नीतीश कुमार-कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से कहा है कि या तो किसानों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी वे किसानों को खेत के बिलों में दें या अगर वे किसानों और कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों की परवाह करते हैं तो एनडीए छोड़ दें। संसद में तीनों कृषि विधेयकों के पारित होने के खिलाफ पटना के राज्य कार्यालय पर कांग्रेस पार्टी के जमावड़े की शुरूआत करते हुए सूरजेवाला ने कहा, नरेंद्र मोदी सरकार ने कृषि सुधारों के नाम पर किसानों और मजदूरों को धोखा देने के लिए राजनीतिक बेईमानी का सहारा लिया था, जो अंततः किसानों को बड़े कॉर्पोरेट के लिए गुलाम बना देगा।

इस अवसर पर बिहार के एआईसीसी प्रभारी शक्तिसिंह गोहिल और छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव भी उपस्थित थे। कांग्रेस ने संसद के मानसून सत्र के दौरान किसान-विरोधी और गरीब-विरोधी बिलों के पारित होने के खिलाफ और विधायकों के खिलाफ 2 करोड़ से अधिक लोगों के हस्ताक्षर एकत्र करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। सुरजेवाला ने कहा कि मंडी प्रणाली और सरकार की उपज की खरीद बंद हो जाने के कारण एमएसपी की प्रणाली को समाप्त कर दिया जाएगा क्योंकि यह कृषि बिलों में अनिवार्य है।

गोहिल ने कहा कि राज्य में तीन विधायकों के कथित विनाशकारी प्रभावों के बारे में किसानों और

मजदूरों को संवेदनशील बनाने के अभियान को तेज किया जाएगा। ग्रैंड एलायंस (जीए) भागीदारों के बीच विश्वास की किसी भी भ्रम या क्षरण को खारिज करते हुए, गोहिल ने कहा कि गठबंधन मजबूत था और विधानसभा चुनाव एक साथ लड़े जाएंगे। कांग्रेस ने शुक्रवार को किसान संगठनों द्वारा दिए गए भारत बंद के समर्थन को भी बढ़ाया है। सुरजेवाला ने कहा कि पार्टी के लाखों कार्यकर्ता किसानों के साथ एकजुटता के साथ खड़े हैं और उनके विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे।

बॉलीवुड ड्रग केस-दीपिका शनिवार को होंगी जांच में शामिल

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले से जुड़े ड्रग्स मामले की जांच कर रही नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी बॉलीवुड के ड्रग से कनेक्शन को लेकर लगातार जांच कर रही है। बॉलीवुड जगत और ड्रग्स के कथित जुड़ाव के मामले में एनसीबी की जांच अब इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों तक पहुंच गई है। इस मामले में एनसीबी ने दीपिका पादुकोण, सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह समेत 7 हीरोइनों को पूछताछ में शामिल होने के लिए समन जारी किया है। सुशांत सिंह ड्रग्स केस में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण शनिवार यानी 26 सितंबर को एनसीबी की जांच में शामिल होंगी। इससे पहले नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने नशीले पदार्थों के मामले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए दीपिका पादुकोण को शुक्रवार को तलब किया था। दीपिका पहले आज यानी शुक्रवार को ही जांच में शामिल होने वाली थी, मगर गुरुवार की देर रात वह गोवा से मुंबई पहुंची हैं और अब बताया जा रहा है कि वह शनिवार को पूछताछ

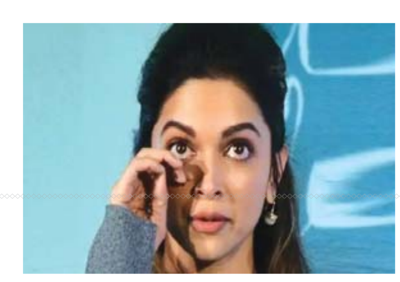

के लिए एनसीबी दफ्तर आएंगी। हालांकि, आज रकुल प्रीत सिंह और दीपिका की मैनेजर करिश्मा प्रकाश से पूछताछ होगी। बता दें कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद एनसीबी ने ड्रग्स से जुड़े पहलुओं की जांच शुरू की थी। अधिकारी के मुताबिक, दीपिका पादुकोण को केंद्रीय एजेंसी द्वारा भेजा गया समन मिल गया है और वह शनिवार को जांच में शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और दीपिका की प्रबंधक करिश्मा प्रकाश भी शुक्रवार को जांच में शामिल होंगी। हालांकि, दीपिका पादुकोण के घर के बाहर मुंबई में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

गुरुवार शाम दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह चार्टर प्लेन से गोवा से मुंबई के लिए रवाना हुए थे। दीपिका, गोवा में शकुन बत्रा की फिल्म की शूटिंग में व्यस्त थीं, जब ड्रग्स केस में एनसीबी के रडार पर उनका नाम सामने आया। बुधवार को दीपिका पादुकोण समेत एनसीबी ने सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह और श्रद्धा कपूर को समन भेजा था। सारा अली खान भी गोवा में फैमिलि वकेशन पर थीं, मगर वह भी गुरुवार को लौट आईं। सारा अली खान भी 26 को दीपिका और श्रद्धा कपूर के साथ ही एनसीबी जांच में शामिल होंगी।

एनसीबी के सूत्रों ने पहले बताया था कि करिश्मा प्रकाश के वाट्सऐप चैट से किसी डी के साथ हुई उनकी बातचीत का पता चला और केंद्रीय एजेंसी जानना चाहती है कि यह व्यक्ति कौन है। अधिकारी ने बताया कि एनसीबी की जांच टीम ने गुरुवार को फैशन डिजाइनर सिमोन खंभाटा और राजपूत की पूर्व प्रबंधक श्रुति मोदी के बयानों को दर्ज किया।

दिल्ली में कोरोना संक्रमण की रफ्तार बेकाबू, सरकार ने माना अब इतने हजार कंटेनमेंट जोन

नई दिल्ली। राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. सरकारी आंकड़ों के मुताबित दिल्ली में अब कंटेनमेंट जोन की संख्या बढ़कर दो हजार के पार पहुंच गई है. सीएम अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने की वजह जांच में आई तेजी को बताया था. उन्होने कहा था कि दिल्ली में अब रोजाना 60 हजार लोगों की कोरोना जांच हो रही है.

मिड अगस्त में 550, सितंबर में 2000 पार-सीएम अरविंद केजरीवल ने ये भी कहा था कि उन्हे लगता है कि दिल्ली मे कोरोना संक्रमण (ष्टश्1द्वस्र-19) की दूसरी वेव पीक पर है .क्योंकि जहां अगस्त के मध्य में दिल्ली में सिर्फ 550 कंटेनमेंट जोन थे वो अब बढ़कर दो हजार से ज्यादा हो गए हैं.

दिल्ली में बीते 24 घंटे का कोरोना बुलेटिन

पिछले 24 घंटे में राजधानी में 3834 नए मामले सामने आए जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर दो लाख 60 हजार से ज्यादा हो गई है. वहीं इसी दौरान 36 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 5123 हो गया है. राहत की बात यह रही कि पिछले 24 घंटे में 3509 लोग ठीक भी हुए जिन्हें मिलाकर अब तक कुल 2,24,375 लोग ठीक हो चुके हैं. दिल्ली में संक्रमण दर 6.48 फीसदी है जबकि रिकवरी रेट इस वक्त 86.09 फीसदी है. सक्रिय मरीज़ों की दर 11.94 फीसदी और कोरोना डेथ रेट 1.97 फीसदी है. यहां सक्रिय मरीजों की संख्या फिलहाल 31,125 है.

बेलगाम बस ने कई वाहनों को मारी टक्कर, सात को कुचला, बच्चे समेत 3 की मौत

नई दिल्ली। यमुनापार के नन्द नगरी इलाके में बस डिपो के सामने गुरुवार रात करीब पौने दस बजे एक बेलगाम क्लस्टर बस ने कई वाहनों को टक्कर मारते हुए सात लोगों को कुचल दिया। हादसे में 12 वर्षीय कर्ण नाम के एक बच्चे, 22 वर्षीय रविंद्र नाम के एक युवक और 50 साल के एक अज्ञात शख्स समेत तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक महिला समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जख्मी हालत में चारों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

उधर हादसे के बाद गुस्साई भीड़ ने बस मे जमकर तोड़फोड़ की और एंबुलेंस व पुलिस टीम पर भी हमला कर रास्ता जाम कर कर दिया। हालात बेकाबू होते देख मौके पर जिला पुलिस के कई वरिष्ठ आला अधिकारी भारी संख्या में पुलिसबल के साथ पहुंचे हैं और हालात को काबू करने में जुटे हुए हैं। उग्र भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा। खबर लिखे जाने तक हंगामा जारी था और पुलिस लोगों को काबू करने में जुटी थी।

रेहड़ी-पटरी लगाने वाले और पैदल लोगों सहित करीब सात लोगों को कुचल दिया। जिसमे से तीन लोगों अबतक मौत हो गई है, जबकि अन्य चार घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

मौके पर मौजूद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मुताबिक अबतक की जानकारी के मुताबिक तेज रफ्तार बेलगाम क्लस्टर बस नंद नगरी फ्लाइओवर से उतरते हुए खजूरी की तरफ जा रही थी। रफ्तार तेज होने के कारण चालक बस से संतुलन खो बैठा और उसने पहले एक टाटा-407 वाहन को टक्कर मारी, इसके बाद अन्य कई वाहनों को टक्कर मारते हुए रेहड़ी-पटरी लगाने वाले और पैदल लोगों सहित करीब सात लोगों को कुचल दिया। जिसमे से तीन लोगों अबतक मौत हो गई है, जबकि अन्य चार घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। खबर लिखे जाने तक हादसे के शिकार लोगों की पहचान की कोशिश की जा रही थी। घटना करीब में मरने वालों की संख्या बढ सकती है। पुलिस ने इस संबंध में लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है।

योगी सरकार अतीक से ही वसूलेगी घर तोड़ने का खर्चा, देना होगा JCB का किराया और अधिकारियों के एक दिन वेतन

लखनऊ। पूर्व सांसद अतीक अहमद का मकान, कार्यालय और कॉम्पलेक्स ढहाने के बाद अब प्रशासन उसे तोड़ने का खर्च भी वसूलेगा। इसमें जेसीबी का किराया, मजदूरों की दिहाड़ी के साथ ही अधिकारियों और पुलिस फोर्स का खर्च भी अतीक से वसूला जाएगा। इसके लिए विकास प्राधिकरण, प्रशासन और पुलिस के अधिकारी अपने विभागों का खर्च का हिसाब तैयार कर रहे हैं। करीब 25 लाख रुपये खर्च आने का अनुमान लगाया गया है। अदायगी न होने पर अतीक के खिलाफ आरसी जारी की जाएगी।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण अब तक अतीक के मकान, कार्यालय समेत दस भवनों का ध्वस्तीकरण कर चुका है। इस कार्रवाई में पुलिस और जिला प्रशासन भी शामिल रहा है। पीडीए की कार्रवाई में आधा दर्जन अधिकारी, प्रवर्तन दल की पूरी टीम के साथ पचास की संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहते हैं। प्रत्येक कार्रवाई में चार से छह जेसीबी का इस्तेमाल किया जाता है। अतीक का मकान और कार्यालय खाली कराने में 70 से ज्यादा मजदूर लगाए गए थे। अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक का एक-एक दिन का

वेतन भी अतीक से लिया जाएगा। कार्रवाई में पीडीए की जेसीबी के साथ किराए के जेसीबी भी लगाए गए थे। पुलिस के साथ ही पीएसी की एक कंपनी भी मकान के ध्वस्तीकरण में लगाई गई थी। इस सभी का खर्च अब अतीक से वसूले जाने की तैयारी चल रही है। सूत्रों की मानें तो अतीक के खिलाफ हुई कार्रवाई में हुए खर्च का हिसाब एक सप्ताह में तैयार कर लिया जाएगा।

साढ़े पांच घंटे में तोड़ा किले जैसा मकान

अतीक अहमद और उसके भाई पूर्व विधायक अशरफ के खिलाफ मंगलवार को प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की थी। चकिया स्थित अतीक अहमद के पुश्तैनी मकान को पोकलैंड और जेसीबी लगाकर गिरवा दिया गया था। तकरीबन 5:30 घंटे में उनका किले जैसा मकीन जमींदोज कर दिया गया था। इस दौरान फोर्स की इतनी संख्या थी कि किसी ने भी विरोध करने की हिम्मत नहीं हुई थी। प्राधिकरण के सचिव दयानंद प्रसाद के मुताबिक लगभग 4 बीघे में जमीन कब्जा कर अवैध निर्माण कराया गया था। इसकी जांच के बाद कार्रवाई की गई। मंगलवार को दिन 11 बजे विकास प्राधिकरण, प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी पीएसी, आरएएफ और फायर ब्रिगेड के साथ चकिया पहुंचे। पहले अतीक के घर के चारों तरफ घेराबंदी की गई। इसके बाद पोकलैंड और सात जेसीबी के साथ पुलिस ने अवैध निर्माण ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू हुई। इस दौरान अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता बेगम और उसके तीन बेटे अपने वकील व मजदूरों के साथ घर से सामान बाहर कराने में लगे रहे। एक तरफ कमरे से सामान निकाला जा रहा था तो दूसरी ओर जेसीबी उस हिस्से को ध्वस्त कर रही थी। देखते ही देखते कुछ घंटों में अतीक के किले जैसे मकान को ध्वस्त कर दिया गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

फिर आंदोलित किसान

संसद से पारित कृषि विधेयकों के खिलाफ आंदोलित पंजाब के किसानों के निशाने पर कल से ही रेल सेवाएं आ गई हैं, इसके पहले उन्होंने अनेक जगहों पर राजमार्गों को जाम कर दिया था। धीरे-धीरे इस आंदोलन को देश भर में फैलाने की तैयारियां हो रही हैं। दक्षिण भारत में भी कई जगहों पर किसान सड़कों पर उतर रहे हैं। रेलवे ने फिलहाल शनिवार तक पंजाब की अपनी तमाम सेवाओं को रद्द कर दिया है। यह विडंबना ही है कि लॉकडाउन हटने के बाद अभी यातायात सुविधाएं पूरी तरह से पटरी पर लौट भी नहीं पाई थीं कि अब किसानों के आंदोलन के कारण उनमें रुकावटें खड़ी हो गई हैं। हमारे देश में यह एक परिपाटी सी बन गई है कि जब तक आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त न कर दिया जाए, तब तक सरकारें किसी विरोध का संज्ञान नहीं लेतीं। चाहे किसानों का आंदोलन हो या नौकरियों में आरक्षण का, हर बार यही नजारा होता है। खासकर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में यह प्रवृत्ति ज्यादा ही देखने को मिलती है। राजधानी के करीब होने के कारण ये आंदोलन मीडिया का ध्यान खींचने में सफल हो जाते हैं और फिर सरकार पर दबाव बढ़ जाता है। इस पूरे प्रकरण में मंडी और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की चिंता बड़े मुद्दे के तौर पर उभरी है। कई सारे किसानों को यह भय सता रहा है कि यदि मंडियां टूटीं, तो देर-सवेर एमएसपी की गारंटी भी उनके हाथ से निकल जाएगी। हालांकि, किसानों की इस चिंता को महसूस करते हुए केंद्र सरकार, बल्कि खुद प्रधानमंत्री ने आगे आकर यह आश्वासन दिया है कि सरकारी खरीद और न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था जारी रहेगी। इसके बावजूद किसान आंदोलन का विस्तार बताता है कि उन्हें आश्वासन से अधिक चाहिए। किसानों की चिंता को खुद सरकार के सहयोगी दलों के रवैये ने गहरा किया है, और इससे विपक्ष के आरोपों को बल मिल गया है कि सरकार ने एमएसपी को नए कानून का हिस्सा न बनाकर किसानों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। भाजपा की दशकों पुरानी सहयोगी पार्टी अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल ने पहले मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया और अब विधेयक पारित होने के बाद जद-यू ने भी किसानों की एमएसपी से कम पर खरीद को दंडनीय बनाने की मांग का समर्थन कर दिया है। किसानों की भलाई के लिए जब नए कानून बनाए जा रहे हैं, तब आदर्श स्थिति तो यही थी कि इनका व्यापक रूप से स्वागत किया जाता, लेकिन इनके विरोध में किसानों का एक हिस्सा भी यदि सड़क पर उतर आया है, तो साफ है कि सरकार उन तक अपनी बात पहुंचाने में नाकाम रही। अव्वल तो इन विधेयकों को पारित कराने के दौरान पैदा हुए विवाद ने देश भर में गलत संदेश भेजा और फिर सरकार ने नाराज किसान संगठनों से संवाद की पहल भी नहीं की। पंजाब में अकाली दल और बिहार में जद-यू के रुख के राजनीतिक निहितार्थ समझे जा सकते हैं, क्योंकि दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिहाज से भूमिकाएं अपनाई जा रही हैं। पर तमाम राजनीतिक उलटबांसियों से परे, आंदोलित किसानों तक प्रस्तावित कानून में संरक्षित उनके हितों की बात पहुंचाने का दायित्व भी केंद्र सरकार का ही है। महामारी के इस विकट समय में कोई भी बड़ा आंदोलन नई मुसीबतें पैदा कर सकता है। सरकार के साथ-साथ किसान संगठनों को भी यह बात समझने की जरूरत है।

आज के ट्वीट

गद्दार

'चीन' के पास सैनिक बहुत अधिक हैं, ये कोई खतरे की बात नहीं, भारत के पास 'गद्दार' बहुत अधिक हैं, ये बहुत खतरनाक बात हैं. – अर्णव गोस्वामी

राष्ट्रीय जागरण का आधार बनें विरोध के सुर

अश्विनी कुमार

जिस तरह बहुमत के बल पर जल्दबाजी से तीन कृषि अध्यादेशों को नये कानूनों में बदला गया है, उससे हमारी संसदीय लोकतांत्रिक पद्धति के भविष्य को लेकर असहज सवाल पैदा होते हैं। ऐसा करते वक्त विपक्ष की आवाज़ को अनसुना कर दिया गया है। संसद के दोनों सदनों में प्रस्तावों के विरुद्ध स्वर उठाने वालों का मुंह बंद कर इन्हें मंजूर करवा लिया गया है। यह मुद्दों पर सार्थक बहस न होने देने वाली ताकत का निर्लज्ज नमूना है। स्थापित संसदीय प्रक्रिया को ढिठाई से दरकिनार करने वाले इस नागवार प्रसंग की याद जनता के ज़हन लंबे समय तक बनी रहेगी। हमारे मुल्क में यह परंपरा रही है कि कोई सरकार सदन में कानून का मसौदा रखते वक्त इसकी उपयोगिता गिनाती है और चर्चा होती है, किंतु पिछले कुछ वक्त से बहस करवाने की जरूरी प्रक्रिया की अनदेखी करते हुए विधायी प्रक्रिया का ह्रास करना नित्यक्रम हो गया है। उक्त रुझान ने नये कृषि कानूनों को लाजिमी लोकतांत्रिक और नैतिक वैधता से महरूम कर दिया है। साफ है, किसी भी सक्रिय लोकतंत्र में कोई ऐसा कानून, जिस पर किसी वर्ग की बिना दबाव वाली स्वीकार्यता का अभाव हो, बावजूद इसके सामाजिक धरातल के प्रति संवेदनहीन सरकार जोर-जबरदस्ती से लाद कर यह कहे कि जनता खुशी से कबूल रही है और पालना करेगी, तो यह दावा करना सही नहीं है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी के नेतृत्व पर लोगों का बना विश्वास उनका अपने सिद्धांतों पर अडिगता दिखाने की वजह से था। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि स्वतंत्र भारत के जीवट और पूजा तुल्य कृषक समुदाय की कद्र करने हेतु मौजूदा सरकार को विदेशी शासन के दौरान सीखे गए सबक को याद दिलवाना पड़ रहा है। हम भली-भांति यह जानते हैं कि किसी कानून की प्रभावशीलता उसके न्यायोचित होने और सार्थकता महसूस करने पर आधारित होती है। पहले से ही कोविड-19 महामारी से बनी अति विकट स्थितियों के बावजूद नये विवादित कृषि कानूनों को लेकर जिस तरह सड़कों पर जनाक्रोश देखने को मिल रहा है, यह दर्शाता है कि जिन प्रावधानों को किसान वर्ग का हितैषी और रखवाला बताकर लागू किया जा रहा है, वास्तव में उन पर स्वयं किसानों का संशय कुछ और ही है। खबरों के मुताबिक पंजाब के मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि जिस तरह संसद में कानूनों को धक्केशाही से पारित करवाया गया है, उसे न्यायलय में चुनौती दी जाएगी। जब एक मुख्यमंत्री खुद को ऐसी स्थिति में पाता है कि संवेदनशील मुद्दों पर केंद्रीय सरकार से कोई माकूल जबाव नहीं मिलता तो यह भारतीय संघीय व्यवस्था के भविष्य के लिए अशुभ संकेत है। देश के सबसे बड़े समुदाय यानी किसान वर्ग, जिसमें सीमांत सूबा पंजाब भी शामिल है और जिसने लंबे समय तक आतंकवाद और पाकिस्तान प्रायोजित विद्रोह को झेला है, वहां नए कृषि कानून पुनः अस्थिरता बनने का कारण पैदा कर सकते हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसका बुरा असर पड़ेगा। नये कृषि कानूनों का विरोध देशभर में हो रहा है और भिन्न राजनीतिक विचारधारा वाले दल इन्हें बनाने एवं लागू करने की मुखालफत कर रहे हैं, इसका प्रमाण कांग्रेस, डीएमके, तृणमूल कांग्रेस, एआईएडीएमके, बीजेडी, आरजेडी, टीआरसी, शिरोमणि अकाली दल और वाम दलों द्वारा दिखाया विरोध है। इन सबकी मांग है कि कानूनों को राज्यसभा के चुनींदा सदस्यों वाली समिति के पास विस्तृत पुनः समीक्षा के लिए भेजा जाए। अगर यह मान भी लिया जाए कि नये लागू किए कानूनों में अच्छी बातें हैं तो सरकार को किसने रोका था कि विपक्ष शासित राज्य सरकारों समेत तमाम संबंधित पक्षों की पहले तसल्ली करवाती। नये कानूनों के विरोध के मूल में एक तो इनका निर्मम होना और फिर न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था हटने की आशंका से किसानों में इसके प्रति धारणा घातक होने वाली बन गई है। पंजाब और हरियाणा जैसे सूबों में इसकी सार्थकता खासतौर पर है जहां मंडी व्यवस्था और न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था की पालना बाकी सूबों के मुकाबले बेहतर और अपना प्रयोजन निभा रही है, लेकिन अब माना जा रहा है इसको खतरा पैदा हो जाएगा। किसान संगठन इन कानूनों को कृषि के 'कॉर्पोरेटीकरण' की ओर पहला कदम बता रहे हैं और भविष्य में न्यूनतम समर्थन मूल्य का खात्मा हुआ मान रहे हैं। कुल मिलाकर किसानों को डर है कि मूल्य निर्धारण बाजार के मुक्त खेल के रहमो-करम पर छोड़ दिया गया है। अगर यह मान भी लिया जाए कि जनता में नये कानूनों के लेकर बनी धारणा मात्र गलतफहमी है तो यह सरकार पर निर्भर था कि वह उनकी स्वीकार्यता बनाने को सही और संपूर्ण जानकारी मुहैया करवाती लेकिन यह नहीं किया गया। इसकी बजाय, हमने देखा कि केवल खुद को सही समझने वाली सरकार अपने निर्णयों को सही सिद्ध करने पर अड़ी हुई है और इसने संसद के अंदर और बाहर उक्त विवादित कानूनों की एतराज योग्य बातों पर गहराई से विचार-विमर्श एवं मंथन करने की ओर जरा-सा भी प्रयास नहीं किया। किसी ने सही कहा है: 'व्याख्या की उत्तमता ही कानून' है और फ्रांसीसी विचारक मोंटेस्क्यू हमें याद दिलवाते हैं 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि व्याख्या करने वाला अपनी बात सही ढंग से कर पा रहा है या नहीं; इतना काफी है कि वह अपने तर्क दे रहा है। टकराव (वाद-विवाद) से सच निकलकर आता है, इससे बोलने की आजादी जन्म लेती है, जो आगे चर्चा के प्रभाव से उपजा नागरिक हित सुरक्षा का भाव है...।' अपने ही देश के किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वाली सरकार शासन करने का नैतिक हक खो बैठती है। मौजूदा समय में 'विकृत और पंगु करने' की नीति पर चलने वाली सरकार के अपने हित में होगा कि थॉमस पैने का यह कथन याद रखे ' सत्ता का हिंसक (धक्केशाही) दुरुपयोग करने का मतलब है सवालों में उठाए गए कारण सही हैं।' उम्मीद करें कि नये कृषि-कानूनों के दबे-छिपे मनोरथ को भांपकर बनी राजनीतिक-सामाजिक लहर से राष्ट्र के पुनरुत्थान करने वाली राजनीति के प्रति देशव्यापी जागरूकता बढ़ेगी। परंतु इसके लिए विपक्ष को मौजूदा 'धुंध की दीवार' से परे देखने की जरूरत है ताकि महत्वपूर्ण मुद्दों पर बृहद राष्ट्रीय सहमति बनाने के लिए उभयनिष्ठ बिंदुओं की पहचान हो सके, इसमें कृषि-आर्थिकी को बदलने से संबंधित मामले भी शामिल हैं। भावी पीढ़ियों की साझी विरासत के संरक्षक के तौर पर हम नागरिक समाज को तोड़ने वाली राजनीति चलने देना गवारा नहीं सकते। साथ ही हमें लगातार घटती जा रही सहानुभूति और संवेदना को नहीं भूलना है, जो वास्तव में मानवता को परिभाषित करती है। एक ऐसे देश के लिए जो दुनिया में मनुष्यता की नियति को शक्ल देने में सही योगदान देने की चाहत रखता है, उसका अपना भविष्य एक ऐसी राजनीति को बढ़ावा देने में सुरक्षित होगा, जिसमें सबका साथ, न्याय और सभी का सम्मान सुनिश्चित हो। ताजा हालातों को राष्ट्रीय जागरण के पल बनने दें।

लेखक पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं।
ये उनके निजी विचार हैं।

ज्ञान गंगा

जीवन

जग्गी वासुदेव/ जीवन के बहुत से पहलू हैं। जन्म है, बचपन है, जवानी है और बुढ़ापा भी। प्रेम, कोमलता, मिठास और कड़वाहट भी है। सफलता की खुशी है, कुछ पाने का संतोष है, दर्द है और आनंद भी। जीव को समझाने वाला सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है-मृत्यु, वो किसी भी मन की पकड़ के बाहर है-चाहे आप अपने को कितना ही बुद्धिमान, होशियार या बड़ा बुद्धिजीवी मानते हों। चूंकि हम मरणशील हैं, मरने वाले हैं, इसीलिए जीवन उस तरह से चल रहा है जैसे वो चल रहा है। हम मरने वाले नहीं होते तो न कोई बचपन होता, न जवानी, न बुढ़ापा। तब हम सवाल भी ना उठा पाते कि जन्म क्या होता है? आप मृत्यु को नहीं समझते तो जीवन को नहीं जान सकेंगे, न ही उसे संभाल पाएंगे क्योंकि जीवन और मृत्यु सांस लेने और छोड़ने की तरह हैं। बिना अलग हुए, साथ-साथ रहते हैं। आध्यात्मिक प्रक्रिया तभी शुरू होती है जब आप मृत्यु का सामना करते हैं-या तो खुद की या ऐसे व्यक्ति की जो आपको प्रिय है और जिसके बिना जीने की बात आप नहीं सोच सकते। जब मृत्यु आ रही हो, या हो गई हो तब ही अधिकतर लोगों के मन में सवाल आता है, 'ये सब क्या है, और इसके बाद क्या होगा'? जब तक केवल जीवन ही सत्य लगता है तब तक आपको विश्वास नहीं होता कि ये बस ऐसे ही खत्म होने वाला है। जब मृत्यु पास आ जाती है तभी मन सोचना शुरू करता है कि कुछ और भी है, जो इससे ज्यादा है। पर मन चाहे कितना भी सोच ले, वास्तव में जानता कुछ नहीं है क्योंकि मन सिर्फ उसी डेटा के आधार पर काम करता है जो वो पहले से इकट्ठा कर चुका है। मन का मृत्यु के साथ कोई वास्ता नहीं पड़ा है तो वो मृत्यु के बारे में नहीं जानता क्योंकि इसके पास उसके बारे में कोई आधारभूत जानकारी नहीं है-सिर्फ कुछ गप्पबाजी है। आपने ऐसी गप्पें सुनी होंगी कि कैसे जब आप मर जाएंगे तो आप जाकर भगवान की गोद में बैठेंगे। ऐसा है तो आपको आज ही मर जाना चाहिए। आपको ऐसा विशेष अधिकार मिलने वाला हो तो पता नहीं आप इसे टाल क्यों रहे हैं? आपने स्वर्ग और नर्क के बारे में भी गप्पें सुनी होंगी। देवदूतों और बाकी चीजों के बारे में भी गपशप सुनी हैं पर कोई पक्की जानकारी नहीं है। ये सोचने में समय बर्बाद मत कीजिए कि मृत्यु के बाद क्या होता है, क्योंकि वो आपके मन की सीमा के बाहर की बात है।

आज का राशिफल

मेष दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृषभ जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ की संभावना है। प्रियजन भेंट संभव।

मिथुन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। नेत्र विकार की संभावना है। अपनों से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। खान पान में संयम रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। पिता या उच्चाधिकारी के कृपापात्र बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधियों का पराभव होगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

धनु व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाणी की सौम्यता को बनाये रखना ही हितकर होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

अपने न बिछुड़ें, तीस साल में खोदी नहर

अरुण नैथानी

अपनी जमीन से अपनों के उखड़ने की टीस कितनी वेदनापूर्ण होती है, 'गया' जनपद के कोठिलवा गांव के लौंगी भुइंया से बेहतर कौन जान सकता है। गांव में पानी के संकट से बेजार खेती और ग्रामीणों के पीढ़ी-दर-पीढ़ी होने वाले पलायन ने गांव को बेनूर बना दिया। लौंगी के चार में से तीन बेटे जब एक-एक कर रोजगार की तलाश में शहर चले गये तो लौंगी ने समस्या के स्थायी समाधान की सोची। समाधान तलाशने में उन्हें तीस साल लगे। अब जब नहर से गांव में पानी आया है और आसपास के कई गांवों में समृद्धि दस्तक देने लगी है तो लौंगी का सपना साकार हुआ है। कल तक जिसे लोग पागल कहते थे, वो आज हीरो है। देश के चोटी के उद्योगपति, नेता, नौकरशाह व मीडिया वाले लौंगी के घर का पता पूछ रहे हैं। पहाड़ काटकर नहर निकालने वाले सत्तर साल के लौंगी भुइंया हर भारतीय के लिये प्रेरणापुंज हैं। इसके बावजूद कि शासन-प्रशासन से कोई मदद नहीं मिली, घरवालों ने भी कहा कि ये संभव नहीं है। गांव वाले पिछले तीन दशक तक उन्हें गाहे-बगाहे नहर खोदते देखते तो उन्हें पागल कहते मगर वे अपने इरादों से टस से मस नहीं हुए। फावड़ा, कुदाल के साथ तीखे उनके इरादे थे, आत्मविश्वास था और बदलाव की ललक थी कि गांव में समृद्धि की बयार आए। गांव वाले भी मोटे अनाज की जगह गेहूं-चावल की फसल उगायें। इस साल उनके और आसपास के गांवों में धान की फसल उगी है। ग्रामीणों की आंखों में खुशी के आंसू हैं। वे रात-दिन लौंगी भुइंया का गुणगान करते हैं। लौंगी को विश्वास है कि उनके तीन बेटे भी एक दिन गांव लौट आएंगे। खेतीबाड़ी करके अपनी जड़ों के साथ जुड़कर जीवनयापन कर सकेंगे। यह सुखद संयोग ही है कि दूसरे माउंटमैन लौंगी भुइंया भी बिहार के ही हैं। आर्थिक विषमता और तंत्र की काहिली ने उनके इरादे इतने बुलंद कर दिये कि पहाड़ का सीना चीर कर नहर निकाल दी। इससे पहले पत्नी के कष्टों को दूर करने के लिये दशरथ मांझी ने पहाड़ काट कर रास्ता बना दिया था, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में हुई थी। अब लौंगी भुइंया नये माउंटमैन बन गये हैं। वे कहते हैं, 'जब मैं नहर खोदने का काम शुरू कर चुका था तब मुझे दशरथ मांझी के बारे में पता चला। मेरा तो बस एक ही मकसद था कि गांव में पानी आ जाए, जिससे भरपेट भोजन उपलब्ध होने से बच्चे गांव छोड़कर नहीं जायेंगे। बुलंद इरादों के लौंगी भुइंया को एक बार जानवर चराते वक्त विचार आया कि गांव के निकट स्थित बगेंठा पहाड़ के उस तरफ जलाशय में काफी पानी है। बारिश में भी बहुत पानी आता है, लेकिन यूं ही बह जाता है। यदि इस पानी को गांव के तालाब तक लाया जाये तो तस्वीर बदल सकती है। गेहूं-धान की फसल उगायी जा सकती है। फिर उन्होंने पहाड़ के निकट जमा होने वाले पानी को गांव तक लाने का नक्शा तैयार किया। फिर शुरू हो गया पहाड़ को काटकर नहर बनाने का का काम। घरेलू काम से जब भी वक्त मिलता, वे नहर खोदने में लग जाते। उनकी पत्नी भी अक्सर कहती-क्यों पहाड़ से टकरा रहे हो, तुम यह असाध्य कार्य नहीं कर पाओगे। गांव वाले भी निराश करते थे लेकिन दृढ़ निश्चयी लौंगी पीछे नहीं हटे। फिर एक दिन ऐसा आया जब लौंगी भुइंया की तीस साल की मेहनत साकार हुई। उन्होंने तीन किलोमीटर लंबी, पांच फीट चौड़ी और तीन फीट गहरी नहर बना डाली। बिना किसी सरकारी मदद के। अगस्त में उनका लक्ष्य पूरा हुआ। साथ में बरसात का पानी आया तो गांव व आसपास के कई

गांवों में फसलें लहलहाने लगीं। निस्संदेह, लौंगी भुइंया का यह अनूठा कार्य सदियों तक लोगों को प्रेरणा देता रहेगा कि सब कुछ सरकार के भरोसे रहकर हासिल नहीं किया जा सकता। व्यक्ति के प्रयास भी तस्वीर बदल सकते हैं। पिछड़े मसहर समाज से आने वाले लौंगी भुइंया आज अगड़े समाज के लिये भी प्रेरणापुंज हैं। व्यक्ति की महानता देखिये कि उनका घर कच्चा है। घर में शौचालय नहीं है। लेकिन वे समाज कल्याण के लिये नहर खोदते रहे। चाहते तो अपना पक्का मकान बना सकते थे। उनकी इच्छा रही कि ट्रैक्टर मिल जाता तो ढंग से खेती कर पाता। कहते हैं न कि ईमानदारी-मेहनत और निस्वार्थ भाव से काम करने वाले की ईश्वर भी सुनते हैं। आज उनके घर में मदद करने वालों का तांता लगा है। जब एक पत्रकार ने ट्विटर पर उद्योगपति आनंद महिंद्रा को टैग करते हुए लौंगी भुइंया को एक ट्रैक्टर देने की गुजारिश की तो तुरंत कार्रवाई हुई। आनंद महिंद्रा ने लिखा कि लौंगी भुइंया द्वारा खोदी गई नहर 'ताजमहल' और 'पिरामिड' के बराबर प्रभावशाली है। उन्हें ट्रैक्टर देकर हम गौरवान्वित होंगे। उन्होंने लौंगी भुइंया का पता पूछकर क्षेत्रीय डीलर से उन्हें ट्रैक्टर पहुंचवा दिया। लौंगी भुइंया बोले कि मैं खुश हूं, ऐसा तो मैंने सपना भी नहीं देखा था। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने भी कैनाल मैन कहे जाने वाले लौंगी भुइंया को नकद राशि देकर सम्मानित किया। उन्होंने गांव तक पक्की सड़क लौंगी भुइंया के नाम पर बनवाने और एक सरकारी स्कूल का नामकरण उनके नाम पर करवाने का भी वायदा किया है। बहरहाल, कैनालमैन लौंगी भुइंया द्वारा नक्सल प्रभावित बांकेबाजार प्रखंड की तस्वीर बदलने की मुहिम कई पीढ़ियों तक याद की जायेगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्णबंदी के बाद एक करोड़ से अधिक यात्रियों ने किया हवाई सफर

नई दिल्ली।

पूर्णबंदी के उपरांत घरेलू विमान सेवा दुबारा शुरू होने के बाद से अब तक घरेलू मार्गों पर हवाई सफर करने वालों का आंकड़ा एक करोड़ के पार पहुंच गया है। नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज एक ट्वीट में लिखा, '25 मई से उड़ानें दुबारा शुरू होने के बाद से अब तक एक लाख आठ हजार 210 उड़ानें रवाना हो चुकी हैं जिनमें एक करोड़ से अधिक लोग यात्रा कर चुके हैं। हम कोविड-19 से पहले के आंकड़ों की तरफ बढ़ रहे हैं।' उन्होंने इस उपलब्धि के लिए सभी हितधारकों को बधाई दी है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 24 सितंबर को 1,393 उड़ानों में 1,19,702 यात्री रवाना हुये। कोविड-19 के कारण देश में सभी नियमित यात्री उड़ानें 25 मार्च से रद्द कर दी गई थीं। दो महीने बाद 25 मई से उड़ानें दुबारा शुरू हुई थीं। पहले सरकार ने कोविड-पूर्व स्तर की तुलना में एक-तिहाई उड़ानों की ही अनुमति दी थी जिसे अब बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है।

लॉकडाउन में रद्द हुए एयर टिकट के पैसे रिफंड करने के मामले में सुनवाई पूरी, SC ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली :

सुप्रीम कोर्ट ने लॉकडाउन के दौरान रद्द उड़ानों के यात्रियों के पूरे पैसे वापस करने के मामले में शुक्रवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर. सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की खंडपीठ ने गैर-सरकारी संगठन प्रवासी लीगल सेल की याचिका पर सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। इससे पहले सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार को केवल यात्रियों की चिंता है। उन्होंने कहा कि अगर किसी ट्रेवल एजेंट ने विमानन कंपनियों के पास अग्रिम पैसे जमा कराये हैं तो उस पर उसे कुछ नहीं कहना। यह विमानन कंपनियों और ट्रेवल एजेंट के बीच एक करार है और नागरिक विमानन महानिदेशालय को इससे कोई लेनादेना नहीं है। इस बीच विमानन कंपनी गो एयर के वकील ने कहा कि कंपनी वित्तीय कठिनाइयों से गुजर रही है, इस पर न्यायमूर्ति भूषण ने कहा, ''आपकी कंपनी को दिक्कत है इसके लिए यात्री क्यों सफर करे?' इसके बाद न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रख लिया। गत बुधवार को खंडपीठ ने केंद्र सरकार से पूछा था कि वह कोरोना महामारी के दौरान रद्द हुई उड़ानों के कारण विमान यात्रियों और ट्रेवल एजेंटों को टिकटों के पैसों की वापसी का स्पष्ट तरीका उसे बताये। खंडपीठ ने पिछली सुनवाई के दौरान भी कहा था कि उसका सरोकार लॉकडाउन के दौरान रद्द उड़ानों के टिकटों के पैसों के रिफंड के सवाल तक है और केंद्र सरकार को नया हलफनामा दायर करके यह बताना चाहिए कि रुपये लौटाने का क्या तरीका हो सकता है?

सरकार ने फेसलेस आयकर प्रणाली की शुरूआत की, जारी हुई अधिसूचना

नई दिल्ली।

सरकार ने शुक्रवार 'फेसलेस आयकर अपील' प्रणाली को परिचालन में लाने के लिए अधिसूचना जारी कर दी। इस प्रणाली का मकसद ईमानदार करदाताओं को सम्मान देना और कर संग्रह में पारदर्शिता लाना है। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि इस फेसलेस (फेसलेस) अपील प्रणाली में सभी आयकर अपीलों को करदाता और कर अधिकारी के 'आमने-सामने' आये बिना अंतिम रूप दिया जायेगा। हालांकि, गंभीर धोखाधड़ी, बड़ी कर चोरी, संवेदनशील और छापेमारी के मामलों, अंतरराष्ट्रीय कर और कालाधन कानून के तहत आने वाले मामले इसके तहत नहीं आएंगे। बयान में कहा गया है कि इस बारे में आवश्यक गजट अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 अगस्त को 'पारदर्शी कराधान- ईमानदार का सम्मान' मंच के तहत कर रिटर्न का फेसलेस आकलन और करदाता चार्टर जारी किया था। प्रधानमंत्री ने 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की वर्षगांठ के मौके पर फेसलेस अपील प्रणाली शुरू करने की भी घोषणा की थी। हाल के बरसों में आयकर विभाग ने कर प्रक्रिया के सरलीकरण तथा करदाताओं के लिए अनुपालन को सुगम बनाने के लिए कई तरह के सुधार किए हैं। मंत्रालय ने कहा अब से फेसलेस अपील के तहत आयकर अपीलों में अपीलों के ई-आवंटन से लेकर, नोटिस/सवालों का ई-संचार, ई-सत्यापन/ई-पूछताछ, ई-सुनवाई से लेकर अंततः अपीलीय आदेश को ई-माध्यम से भेजना, अपील की समूची प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। ऐसे में अपील करने वाले और विभाग अधिकारी के एक दूसरे के आमने-सामने आने की जरूरत नहीं होगी। करदाता या उनके वकीलों तथा आयकर विभाग के बीच किसी तरह का आमना-सामना नहीं होगा। सारी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। बयान में कहा गया है कि करदाता अपने घर पर बैठकर विभाग को जानकारी दे सकेंगे तथा अपना समय और संसाधन बचा सकेंगे।

वक्रांगी को भारत बिल भुगतान इकाई के लिये रिजर्व बैंक की मंजूरी मिली

नयी दिल्ली। वक्रांगी लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि रिजर्व बैंक ने बिलों से संबंधित भुगतान सेवाओं को चलाने के लिये भारत बिल भुगतान परिचालन इकाई (बीबीपीओयू) स्थापित करने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। एक विज्ञप्ति में कहा गया कि वक्रांगी लिमिटेड (वीएल) को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम 2007 के तहत बीबीपीओयू को स्थापित करने व उसे संचालित करने के लिये सैद्धांतिक मंजूरी प्राप्त हुई है। कंपनी अपने साझेदार बैंकों, बीमा कंपनियों, सरकारी एजेंसियों, ई-कॉमर्स कंपनियों की ओर से बैंकिंग, बीमा, मनी ट्रांसफर सेवाएं, ई-कॉमर्स, ई-गवर्नेंस और अन्य डिजिटल सेवाएं प्रदान करती है। कंपनी ने कहा, 'वक्रांगी अब सीधे बीबीपीएस (भारत बिल भुगतान प्रणाली) के दायरे में बिल से संबंधित भुगतान सेवाओं के भुगतान और एकत्रीकरण को संभाल सकती है।'

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 29 पैसे मजबूत होकर 73.61 पर बंद

मुंबई। घरेलू स्तर पर शेयर बाजारों के हरे निशान में लौटने और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर के कमजोर पड़ने से अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में शुक्रवार को भारतीय मुद्रा 29 पैसे की मजबूती में 73.61 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 32 पैसे की तेज गिरावट के साथ 73.90 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। शेयर बाजार की तेजी का असर रुपये पर आज शुरु से ही रहा। यह 14 पैसे की तेजी में 73.76 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 73.77 रुपये प्रति डॉलर के दिवस के निचले स्तर और 73.56 रुपये प्रति डॉलर के दिवस के उच्चतम स्तर के बीच रहा। अंत में यह गत दिवस की तुलना में 29 पैसे की तेजी के साथ 73.61 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

यस बैंक मामला: ED ने राणा कपूर के 127 करोड़ रुपये के लंदन फ्लैट को कुर्क किया

बिजनेस डेस्क।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यस बैंक के सह-प्रवर्तक राणा कपूर का लंदन में 127 करोड़ रुपये मूल्य का फ्लैट कुर्क किया है। ईडी ने शुक्रवार को कहा कि कपूर और अन्य के खिलाफ मनी लांड्रिंग जांच के सिलसिले में फ्लैट कुर्क किया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने मनी लांड्रिंग निरोधक कानून (पीएमएलए) के तहत 77 साऊथ आडले स्ट्रीट स्थित अर्पाटमेंट- 1 की कुर्की के लिये अस्थायी आदेश जारी किया है। ईडी ने एक बयान में कहा, 'फ्लैट का बाजार मूल्य 1.35 करोड़ पौंड (करीब 127 करोड़ रुपये) है। राणा कपूर ने 2017 में डीओआईटी क्रिएशंस जर्सी लि. के नाम पर 99 लाख पौंड (करीब 93 करोड़ रुपये) में यह फ्लैट खरीदा था। वह खुद फ्लैट का मालिक है। जांच एजेंसी के अनुसार उसे भरोसेमंद सूत्र से यह जानकारी मिली थी कि कपूर लंदन के फ्लैट को बेचना चाहते है और उन्होंने एक प्रतिष्ठित संपत्ति परामर्शदाता को इसके लिये रखा था। ईडी के अनुसार, 'दूसरे स्रोतों से पूछताछ से पता चला कि संपत्ति कई वेबससाइट पर बिक्री के लिये रखी गयी थी।' प्रक्रिया के तहत एजेंसी कुर्की आदेश के क्रियान्वयन को लेकर अब ब्रिटेन की समकक्ष जांच इकाई से संपर्क करेगी और ऐलान करेगी कि संपत्ति खरीदी या बेची नहीं जा सकती क्योंकि इसे पीएमएलए की आपराधिक धाराओं के तहत जब्त किया गया है। इससे पहले, ईडी पीएमएलए के तहत अन्य जांच मामलों में अमेरिका, दुबई और आस्ट्रेलिया में इसी तरीके से संपत्ति कुर्क कर चुकी है। प्रवर्तन निदेशालय ने सीबीआई की प्राथमिकी को देखने के बाद कपूर, उनके परिवार के अन्य सदस्यों और अन्य के खिलाफ पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया था। सीबीआई की प्राथमिकी में यह आरोप लगाया गया था कि यस बैंक ने नियमों का उल्लंघन कर करोड़ों रुपये के संदिग्ध कर्ज विभिन्न इकाइयों को दिये और बदले में कथित रूप से रिश्वत कपूर परिवार को दिये गये।

जीएमआर बेचेगी काकीनाड़ा में अपनी 51 प्रतिशत हिस्सेदारी, 2610 करोड़ में खरीदेगी अरबिंदो रियल्टी

नई दिल्ली। जीएमआर इन्फ्रास्ट्रक्चर लि. ने काकीनाड़ा एसईजेड लि. (केएसईजेड) में अपनी समूची 51 प्रतिशत हिस्सेदारी अरविंदो रीयल्टी को बेचने के लिए पक्का करार किया है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में जीएमआर इन्फ्रास्ट्रक्चर ने कहा कि उसने काकीनाड़ा एसईजेड में अपनी अनुषंगी जीएमआर एसईजेड एंड पोर्ट होल्डिंग लि. (जीएसपीएचएल) की समूची 51 प्रतिशत हिस्सेदारी अरविंदो रीयल्टी एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लि. को बेचने के लिए पक्का करार किया है। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि काकीनाड़ा एसईजेड की हिस्सेदारी के स्थानांतरण के तहत केएसईजेड के पास काकीनाड़ा गेटवे पोर्ट लि. की 100 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी का भी अरविंदो रीयल्टी को स्थानांतरण किया जाएगा। केएसईजेड में इक्विटी हिस्सेदारी और उप-ऋण के बाद यह सौदा 2,610 करोड़ रुपये का बैठेगा। इस राशि में से 1,600 करोड़ रुपये सौदा पूरा होने तथा 1,010 करोड़ रुपये अगले दो-तीन साल में प्राप्त होंगे। इस सौदे के लिए नियामकीय और अन्य सांविधिक मंजूरियां ली जानी हैं। इस राशि का इस्तेमाल जीएमआर ग्रुप के कर्ज के बोझ को कम करने के लिए किया जाएगा।

फेस्टिवल सीजन से पहले मोदी सरकार देगी सबसे बड़ा राहत पैकेज!

बिजनेस डेस्क :

कोराना वायरस महामारी के कारण देश की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है और लाखों लोग बेरोजगार हो गए है। इस वित्त वर्ष देश के **GDP** में 23.9% की गिरावट दर्ज की गई। अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाने के लिए केंद्र सरकार ने आत्मनिर्भर भारत पैकेज से लेकर पीएम गरीब कल्याण पैकेज (**PM Garib Kalyan package**) तक की घोषणा की, लेकिन बात नहीं बनी। अब केंद्र सरकार अर्थव्यवस्था सुधारने के लिए अब तक के सबसे बड़े राजकोषीय प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा करने जा रही है। मोदी सरकार इस राजकोषीय प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा फेस्टिवल सीजन शुरू होने से पहले करेगी। यह राहत पैकेज आत्मनिर्भर भारत पैकेज और पीएम गरीब कल्याण पैकेज से भी बड़ी होगी। मीडिया सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार 35,000 करोड़ रुपए के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा कर सकती है, जिसका मुख्य फोकस शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नौकरियों पर होगा। 35,000 करोड़ रुपए के इस राजकोषीय प्रोत्साहन पैकेज में अर्बन जॉब स्कीम, रूरल जॉब्स, बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, किसानों के लिए नई स्कीम और ज्यादा से ज्यादा कैश ट्रांसफर पर जोर होगा। सरकार इस साल कम से कम 25 बड़े प्रोजेक्ट्स को पूरा करना चाहती है, जिससे अधिक लोगों को रोजगार मिल सके। इस राहत पैकेज का ऐलान दशहरा से पहले हो सकता है। कंज्यूमर बेस्ड कंपनियों खासकर ऑटोमोबाइल सेक्टर और इलेक्टॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियों के लिए इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे में केंद्र सरकार **Fiscal stimulus package** की घोषणा कर डिमांड को बढ़ाना चाहती है ताकि अर्थव्यवस्था पटरी पर आ सके।

अर्बन और सेमी अर्बन एरिया के लिए जॉब्स प्रोग्राम

केंद्र सरकार के अधिकारियों ने मनी कंट्रोल को बताया कि नरेगा (**NREGS**) की तर्ज पर केंद्र सरकार अर्बन और सेमी अर्बन एरिया के लिए एक जॉब्स प्रोग्राम (**jobs programme**) लॉन्च करेगी। इसके लिए तैयारियां अपने अंतिम चरण में है। हालांकि, नरेगी की तरह इसके क्रियान्वयन के लिए किसी लेजिस्लेटिव एक्शन (**legislative action**) की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके लिए एक ड्राफ्ट कैबिनेट नोट (**draft cabinet note**) तैयार किया गया है। यह योजना बड़े शहरों मे लागू होने से पहले टियर 3 और टियर 4 शहरों यानी छोटे शहरों में पहले लागू होगी और उसके बाद बड़े शहरों में लागू की जाएगी।

इंफ्रा प्रोजेक्ट्स पर जोर

केंद्र सरकारU **National Infrastructure Pipeline** के तहत ऐसे प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने जा रही है जिससे अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हों। अधिकारियों ने कहा कि 20-25 ऐसे प्रोजेक्ट्स की पहचान कर ली गई है जिसमे पैसा निवेश करने से कम से कम समय में अधिक से अधिक नौकरियां पैदा होंगी। ये नौकरियां स्किल्ड और अनस्किल्ड दोनों तरह के लोगों के लिए होंगी। इसके अलावा इस राहत पैकेज में पिछले दो आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज की तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर जोर होगा। सरकार की योजना कैश ट्रांसफर स्कीम को और विस्तार देने की है साथ ही लोगों को मुफ्त में अनाज भी दिया जाएगा।

ESIC योजनाओं से जुलाई में 7.41 लाख नए सदस्य जुड़े

नई दिल्ली :

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुलाई में कुल 7.41 लाख नए सदस्य जुड़े। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पिछले महीने इन योजनाओं से 8.13 लाख नए सदस्य जुड़े थे। ये आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा शुक्रवार को जारी रिपोर्ट का हिस्सा हैं।

आंकड़ों के अनुसार इस साल मई में ईएसआईसी से जुड़ने वाले कुल नए सदस्यों की संख्या 4.81 लाख रही। अप्रैल, 2020 में यह संख्या 2.6 लाख रही थी। सरकार ने कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए 25 मार्च को राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लगाया था। अनलॉक की प्रक्रिया जून से शुरू हुई है। मई में जारी पेरोल आंकड़ों के अनुसार ईएसआईसी संचालित योजनाओं से मार्च, 2020 में 8.21 लाख नए सदस्य जुड़े थे। वहीं फरवरी में इन योजनाओं से 11.83 लाख अंशधारक जुड़े थे। एनएसओ की रिपोर्ट के अनुसार 2019-20 में ईएसआईसी से कुल 1.51 करोड़ नए अंशधारक जुड़े थे। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 1.49 करोड़ का रहा था। सितंबर, 2017 से मार्च, 2018 के दौरान 83.35 लाख नए अंशधारक ईएसआईसी योजनाओं से जुड़े थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर, 2017 से जुलाई, 2020 के दौरान ईएसआईसी से जुड़ने वाले नए सदस्यों की संख्या 4.07 करोड़ रही। एनएसओ की रिपोर्ट ईएसआईसी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) तथा पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के नए अंशधारकों के पेरोल आंकड़ों पर आधारित होती है। यह अप्रैल, 2018 से इन निकायों के आंकड़े जारी कर रहा है।

6 दिन बाद शेयर बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स 37,388 अंक - निफ्टी 11 हजार के पार

नई दिल्ली।

लगातार छह दिन गिरावट रहने के बाद शेयर बाजार में आज रौनक लौट आई है। आज बीएसई सेंसेक्स 835 अंक यानि 2.28 फीसदी की बढ़त के साथ 37,388 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी 244 अंक यानि 2.27 फीसदी तेजी के साथ 11050 पर बंद हुआ। आज 1953 शेयर तेजी के साथ बंद हुए, 648 शेयरों में गिरावट रही जबकि 165 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं आया। निफ्टी में बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, सिपला और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर सबसे अधिक फायदे में रहे जबकि एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, यूपीएल, एचडीएफसी लाइफ और बीपीसीएल के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। इस हफ्ते दो बड़ी गिरावट के बाद शेयर बाजार मजबूती के साथ खुला। शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाले संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 438.29 अंकों की तेजी के साथ 36,991.89 के स्तर पर खुला। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी कारोबार की शुरूआत हरे निशान के साथ की। निफ्टी आज 100 अंक ऊपर 10,910.40 के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स के सभी स्टॉक हरे निशान पर थे। पिछले कारोबारी सत्र में सेंसेक्स 1,114.82 अंक या 2.96 प्रतिशत टूटकर 36,553.60 अंक पर बंद हुआ था। इसी तरह निफ्टी 326.30 अंक या 2.93 प्रतिशत के नुकसान से 10,805.55 अंक पर बंद हुआ था। पिछले 6 सत्रों में बाजार में आई गिरावट से निवेशकों को 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ।

देश की पहली रैपिड रेल का जारी हुआ लुक, 180 किमी प्रतिघंटा होगी रफ्तार

नई दिल्ली :

भारत में पब्लिक ट्रांसपोर्ट का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। लोग अब न्यू इंडिया की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इस कड़ी में रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (**RRTS**) ट्रेन का पहला लुक शुक्रवार को जनता के सामने आया है। इसके पहले लुक को देखकर आप खुद को तारीफ करने से नहीं रोक पाएंगे। 180 किलोमीटर की रफ्तार से चलने वाली मेट्रो और बुलेट ट्रेनों जैसी सुविधा लिए आपकी रैपिड रेल आपके सामने है।

ट्रेन के प्रथम लुक का अनावरण

केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने शुक्रवार को भारत की पहली रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (**RRTS**) ट्रेन का प्रथम लुक का अनावरण किया। इस दौरान राष्ट्रीय राजधानी परिवहन निगम (**NCRTC**) के प्रबंध निदेशक विनय कुमार सिंह और एनसीआरसीटी के बोर्ड के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। इस मौके पर मंत्रालय, एनसीआरटीसी और बॉम्बार्डियर के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। 180किमी/घंटे की डिजाइन स्पीड वाली आरआरटीएस ट्रेन भारत में अपने प्रकार की पहली आधुनिक प्रणाली वाली ट्रेन है। बॉम्बार्डियर द्वारा तैयार की जाने वाली रैपिड ट्रेन स्टेनलेस स्टील से बनेगी। यह एयरोडायनामिक ट्रेनें हल्के हने के साथ-साथ पूरी तरह से वातानुकूलित होंगी। प्रत्येक कोच में प्रवेश और निकसा के लिए 'प्लग इन' प्रकार के छह (दोनों तरफ तीन-तीन) स्वचालित दरवाजे होंगे, जबकि बिजनेस क्लास कोच में ऐसे चार (दोनों तरफ दो-दो) दरवाजे होंगे।

बिजनेस क्लास के अलावा भी मिलेगी यह सुविधा

सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक ट्रेन में एक बिजनेस क्लास कोच होगा। बिजनेस क्लास कोच के अंदर फूड डिस्पेंडिंग मशीन भी लगी होगी। आरआरटीएस ट्रेनों में 2×2 ट्रांसवर्स आरामदायक सीटें, यात्रियों के पैर रखने के लिए पर्याप्त जगह, खड़े होकर यात्रा कर रहे लोगों के आरामदायक सफर के लिए दोनों तरफ की सीटों के बीच में पर्याप्त जगह, सामान रखने का रैक, मोबाइल/ लैपटॉप चार्जिंग सॉकेट, वाई-फाई और अन्य यात्री-केंद्रित सुविधाएं भी होंगी।

वोडाफोन ने भारत सरकार के खिलाफ 20,000 करोड़ रुपए का रेट्रो टैक्स केस जीता

बिजनेस डेस्क :

टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन ने 20,000 करोड़ के टैक्स विवाद मामले में भारत सरकार को हराकर अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता का केस जीत लिया है। कंपनी की ओर से शुक्रवार को बताया गया कि उसे सिंगापुर के एक इंटरनेशनल कोर्ट में 12,000 करोड़ बकाए और 7,900 करोड़ जुर्माने वाले एक अहम केस में भारत सरकार के खिलाफ जीत मिली है। वोडाफोन ने 2016 में भारत सरकार के खिलाफ सिंगापुर के इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर यानी अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता अधिकरण के पास याचिका दाखिल की थी। यह विवाद लाइसेंस फीस और एयरवेव्स के इस्तेमाल पर रेट्रोएक्टिव टैक्स क्लेम को लेकर शुरू हुआ था। कंपनी के सूत्रों ने न्यूज एजेंसी **Reuters** को बताया कि अधिकरण ने अपने फैसले में कहा है कि भारत सरकार की ओर से वोडाफोन पर टैक्स लायबिलिटी यानी कर-देयता थोपना भारत और नेदरलैंड्स के बीच हुए निवेश संधि समझौते का उल्लंघन है। बता दें कि इसके पहले भारत के टेलीकॉम सेक्टर में टॉप की कंपनी वोडाफोन को एजीआर बकाए में भी सुप्रीम कोर्ट से थोड़ी राहत मिली थी। कोर्ट ने वोडाफोन को सरकार का बकाया चुकाने के लिए 10 सालों का वक्त दिया है। हालांकि, कंपनी को फिर भी डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकॉम को अपने एडजस्टेड एजीआर बकाए में से 3-5 फीसदी एयरवेव्स के उपयोग शुल्क के तौर पर और आठ फीसदी लाइसेंस फीस के तौर पर देना है। कंपनी ने एजीआर की परिभाषा को लेकर लंबा विवाद किया है लेकिन पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने सरकार का पक्ष लेते हुए कहा था कि एजीआर में सभी तरह का राजस्व शामिल किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फेसबुक वॉच, आईजीटीवी पर आईपीएल पर अपनी राय रखेंगे वीरू

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग फेसबुक वॉच और इंस्टाग्राम के आईजीटीवी पर संयुक्त अरब अमीरात में जारी इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबलों पर अपनी राय रखेंगे। सोशल नेटवर्कि ग जाएंट फेसबुक ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। फेसबुक सहवाग के साथ वीरू की बैठक नाम का एक प्रोग्राम लेकर आ रहा, जो इन दो प्लेटफॉर्म पर देखा जा सकेगा। सहवाग अपने मजाकिए लहजे और देसी अंदाज के लिए मशहूर हैं और इसीलिए यह प्रोग्राम क्रिकेट प्रेमियों और खासकर वीरू के फैन्स के लिए खास होगा। खुद सहवाग ने भी कहा है कि वह उम्मीद कर रहे हैं कि इस प्रोग्राम के माध्यम वह क्रिकेट फैन्स को इंगेज करने के साथ-साथ उन्हें एंटरटेन भी कर सकेंगे। फैन्स फेसबुक और इंस्टाग्राम पर वीरू की बैठक के ऑफिशियल पेज को ट्यून करके यह प्रोग्राम देख सकेंगे।

आईपीएल-13

जीत का खाता खोलना चाहेंगे कोलकाता, हैदराबाद

अबु धाबी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें संस्करण के अपने पहले मैच में उस तरह का प्रदर्शन नहीं क पार पाई थी जिसकी उससे उम्मीद की जा रही थी। मुंबई इंडियंस ने उसे 49 रनों से हराया था। अब केकेआर अपने दूसरे मैच में शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के सामने उतरेगी। हैदराबाद भी अपने पहले मैच में विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से हार गई थी। और अब दोनों टीमें जीत के रास्ते पर लौटने की फिराक में होंगी। केकेआर के पास टी-20 के दिग्गज बल्लेबाज आंद्रे रसेल और इयोन मोर्गन हैं। इसलिए माना जाता है कि यह टीम किसी भी लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम है। पहले मैच में मुंबई ने केकेआर की इस ताकत को परखा और उसे 196 रनों का लक्ष्य दिया, लेकिन रसेल चले न मोर्गन और केकेआर को 49 रनों से हार झेलनी पड़ी। एक मैच के बाद हालांकि इन दोनों को नकारा नहीं जा सकता है और हैदराबाद भी इस बात से वाकिफ होगी। केकेआर ने पहले मैच में सुनील नरेन और शुभमन गिल को पारी की शुरूआत करने भेजा था, लेकिन दोनों तेज शुरूआत नहीं दे सके थे। यहां टीम प्रबंधन एक बदलाव कर सकता है। पहले मैच में निखिल नाइक को केकेआर ने मौका दिया था जो विफल रहे थे। टीम प्रबंधन उन्हें बाहर कर किसी और को मौका दे सकता है। मध्य क्रम में कप्तान कार्तिक, नीतीश राणा, मोर्गन और रसेल को पहले से बेहतर करना होगा। अगर यह बल्लेबाजी क्रम चल गया तो किसी भी लक्ष्य को हासिल करना या बड़ा स्कोर बनाना टीम के लिए आसान बात है। गेंदबाजी में भी केकेआर को सुधार करना होगा। पैट कमिंस को टीम ने भारी-भरकम रकम देकर खरीदा था। कमिंस पहले मैच में तो बेअसर रहे थे। तीन ओवरों में 49 रन देने के बाद कमिंस टीम के सबसे महंगे गेंदबाज भी रहे थे। उन्होंने बल्ले से 12 गेंदों पर 33 रन बनाकर यह साबित तो किया था कि वह जरूरत पड़ने पर टी-20 के लिहाज से बल्लेबाजी कर सकते हैं। टीम प्रबंधन के लिए निश्चित तौर पर यह फायदे का सौदा है लेकिन कमिंस की पहली जिम्मेदारी गेंद से कमाल दिखाने की है और वे भी इस बात को जानते हैं। पहले मैच के बाद आलोचनाओं का शिकार हुए कमिंस दूसरे मैच में आलोचकों का मुंह बंद करना चाहेंगे। शिवम मावी ने मुंबई के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की थी। कमिंस के साथ मावी अगर चल जाते हैं तो केकेआर के लिए इससे बेहतर कुछ नहीं होगा। इनके साथ स्पिन विभाग जिसमें सुनील नरेन और कुलदीप यादव हैं वो साथ देता है तो केकेआर के लिए सोने पर सुहागा जैसी स्थिति होगी। वहीं हैदराबाद के पहले मैच के बाद उसका कमजोर मध्य क्रम उजागर हो गया। डेविड वार्नर चले नहीं थे लेकिन उनके साथी जॉनी बेयरस्टो ने टीम को संभाला था और जैसे ही वो आउट हुए टीम ढेर होती चली गई। मनीष पांडे ने जरूर बेयरस्टो का साथ दिया था लेकिन लंबी पारी न खेल पाने की उनकी आदत जारी रही थी। विजय शंकर ने एक बार फिर निराश किया था। युवा खिलाड़ी प्रियम गर्ग भी पहले मैच में प्रभावित नहीं कर पाए थे। कप्तान वार्नर के लिए तो चिंता इसी बात की है कि उनके और बेयरस्टो के अलावा वह किस पर बल्लेबाजी को लेकर भरोसा करें। टीम में एक बदलाव हुआ है। पहले मैच में चोटिल हुए मिचेल मार्श टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

पंजाब के खिलाफ धीमी ओवर गति के कारण कोहली पर 12 लाख का लगा जुर्माना

दुबई।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली पर किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ खेले गए मैच में धीमी ओवर गति के कारण जुमार्ना लगाया गया है। आईपीएल ने एक बयान में कहा, बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली पर उनकी टीम द्वारा किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ धीमी ओवर गति के चलते जुमार्ना लगाया गया है। बयान में बताया गया है, आईपीएल के नियमों के मुताबिक यह ओवर रेट संबंधी टीम का पहला अपराध है इसलिए कोहली पर 12 लाख का जुमार्ना लगाया गया है। कोहली ने गुरुवार को हुए मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में तीन विकेट खोकर 206 रन बनाए थे। पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने नाबाद 132 रनों की पारी खेली थी। पंजाब की पारी एक घंटे 50 मिनट से ज्यादा चली थी। 207 रनों के लक्ष्य का पीछा करने वाली बेंगलोर 19वें ओवर में 109 रनों पर ढेर हो गई थी। बेंगलोर को अपने अगले मैच में सोमवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलना है। वहीं पंजाब को रविवार को राजस्थान रॉयल्स का सामना करना है।

सरकार ने न्यूजीलैंड में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट शुरू करने की इजाजत दी

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड सरकार ने देश में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट शुरू करने की इजाजत दे दी है। कोरोना के कारण कई महीनों से यहां इंटरनेशल क्रिकेट बंद है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने एक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है। एनजेडसी ने शुक्रवार को जारी अपने बयान में कहा, सरकार ने हमें इंटरनेशनल क्रिकेट आयोजित कराने की हरी झंडी दे दी है। अब हम नवम्बर में वेस्टइंडीज और पाकिस्तान की मेजबानी का कार्यक्रम बना सकते हैं। वेस्टइंडीज को न्यूजीलैंड में उसी के खिलाफ तीन टी20 और दो टेस्ट मैच खेलने हैं जबकि पाकिसतान को तीन टी20 और दो टेस्ट खेलने हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम आस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के साथ एक त्रिकोणीय सीरीज खेलने पर भी विचार कर रही है। इस बीच, न्यूजीलैंड टीम का आस्ट्रेलिया दौरा जो अगले साल जनवरी में होना था, टाल दिया गया है। अब यह सीरीज कब होगी, इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी गई है। इस सीरीज के तहत तीन वनडे और एक टी20 मुकाबला होना था।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया सिर्फ भारतीय टीम की ही करेगा मेजबानी

मेलबर्न ।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने वैश्विक कोरोना वायरस महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए कार्यक्रम निर्धारण की जटिलता का हवाला देते हुए शुक्रवार को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला स्थगित कर दी। आस्ट्रेलिया को इस साल नवंबर में पर्थ में अफगानिस्तान की मेजबानी करनी थी जबकि न्यूजीलैंड टीम को जनवरी 2021 में आना था लेकिन दोनों को ही अगले साल (2021-22) गर्मियों के सत्र तक स्थगित कर दिया गया है। कोविड-19 महामारी के कारण टी20 विश्व कप को भी स्थगित करने के लिए बाध्य होना पड़ा जिसकी मेजबानी आस्ट्रेलिया को इस साल करनी थी। सीए के अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले ने कहा कि क्रिकेट आस्ट्रेलिया अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड और न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ ऐसे समय में मैच आयोजित करना चाहेगा जब कोविड-19 महामारी के चलते पांबदियां थोड़ी कम हो जायेंगी। इंडियन प्रीमियर लीग 10 नवंबर को खत्म होगी और कई आस्ट्रेलियाई व अफगानिस्तानी खिलाड़ी संयुक्त अरब अमीरात में चल रही इस लीग में खेल रहे हैं और उन्हें आस्ट्रेलिया में पहुंचने के बाद दो हफ्ते के अनिवार्य पृथकवास को पूरा करने में परेशानियों का सामना करना होगा।

सीए के अनुसार कि हमने इन गर्मियों में ही श्रृंखला कराने का पूरा प्रयत्न किया लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्रा और पृथकवास पांबदियों को देखते हुए सभी पक्ष श्रृंखला को बाद की तारीख में आयोजित करने की जरूरत पर राजी हो गए। हालांकि हॉकले ने पुष्टि की कि विराट कोहली की अगुआई वाली भारतीय टीम के निर्धारित दौरे को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि सीए भारतीय पुरूष टीम का इन गर्मियों में पूर्ण दौरे पर स्वागत के लिए तैयार है जो सभी तीनों प्रारूप में दिलचस्प मुकाबला होगा। भारतीय टीम को इस दौरे पर चार टेस्ट मैचों और तीन वनडे मैचों की श्रृंखला खेलनी है।

संक्षिप्त समाचार

टी-20 में 3000 रनों का आंकड़ा छूने पर बोलीं टेलर, यह शानदार एहसास

डर्बी। वेस्टइंडीज की महिला खिलाड़ी स्टाफानी टेलर टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में 3000 रनों का आंकड़ा छू कर काफी खुश हैं। वह महिला एवं पुरुष क्रिकेट दोनों में यह मुकाम हासिल करने वाली दूसरी और वेस्टइंडीज की पहली क्रिकेटर हैं। टेलर ने यह मुकाम बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए दूसरे टी-20 मैच में हासिल किया। उनकी टीम हालांकि यह मैच 47 रनों से हार गई। टेलर ने 105 टी-30 मैचों में कुल 3020 रन बनाए हैं। उनसे आगे न्यूजीलैंड की सुजी बेट्स हैं जिन्होंने 119 मैचों में 3243 रन बनाए हैं। क्रिकेट टेलर ने कहा, मैं आंकड़ों पर विश्वास करने वाली खिलाड़ी नहीं हूं, लेकिन जब यह बड़ी स्क्रीन पर आया तो यह शानदार एहसास था। उन्होंने कहा, यह बताता है कि हम महिला क्रिकेटरों ने इतने वर्षों में कितनी मेहनत की है और लोगों का इसे इतना सम्मान देने को देखकर मैं अभिभूत हूं। महिला क्रिकेट में बेशक लोगों को ध्यान न जाता हो लेकिन टेलर के टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में भारत के विराट कोहली और वेस्टइंडीज के क्रिस गेल से भी ज्यादा रन हैं। विराट के नाम 2,794 रन हैं तो गेल ने 1627 रन बनाए हैं। टी-20 में वह 100 विकेट लेने से सात विकेट दूर हैं।

गुरप्रीत, संजू चुने गए एआईएफएफ के साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

नई दिल्ली। गुरप्रीत सिंह संधू और संजू को शुक्रवार को अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) द्वारा पुरुष और महिला वर्ग में साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया है। गुरप्रीत को पहली बार यह पुरस्कार मिल रहा है और इसी के साथ वह यह पुरस्कार जीतने वाले दूसरे गोलकीपर बन गए हैं। उनसे पहले सुब्रत पॉल ने 2009 में यह पुरस्कार मिला था। पिछले साल अर्जुन अवार्ड जीतने वाले गुरप्रीत ने कहा, इस मुकाम तक पहुंचने की इच्छा थी और यह वह पुरस्कार है जिसको मैं पाना चाहता था। छेत्री (सुनील छेत्री) भाई ने कई बार यह अवार्ड जीता है और मैं हमेशा सोचता था कि मैं कब इस पुरस्कार के लायक होऊंगा। मिडफील्डर को बेहतरीन सीजन के लिए के कारण यह पुरस्कार दिया गया है वहीं रत्नबाला देवी को 2019-20 की उभरती हुई खिलाड़ी चुना गया है। दोनों खिलाड़ियों को राष्ट्रीय महिला टीम के मुख्य कोच मेयमोल रेड्डी की सलाह के साथ एआईएफएफ के तकनीकी निदेशक इसाक डोरू की राय के बाद चुना गया है। संजू ने कहा, निजी तौर पर यह मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है। यह अवार्ड बताता है कि इतने वर्षों से हम जो मेहनत कर रहे थे वो कमा आई। मैं एआईएफएफ का हमें मौका देने और अपने आप में सुधार करने के लिए प्रेरित करने के लिए धन्यवाद देती हूं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान टेस्ट, न्यूजीलैंड वनडे सीरीज को किया स्थगित

मेलबर्न।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने कोविड-19 के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज को 2021-22 तक के लिए स्थगित कर दिया है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने पिछले मई में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच का कार्यक्रम जारी कर दिया था और बताया था कि यह मैच नवंबर में खेला जाना था। लेकिन कोविड-19 के कारण लीग 10 नवंबर को खत्म होनी है। ऐसे में आईपीएल में खेलने वाले आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को टेस्ट मैच में हिस्सा लेने से पहले दो सप्ताह के अनिवार्य क्वारंटीन से गुजरना होगा। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले के हवाले से लिखा है, क्रिकेट आस्ट्रेलिया अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड और न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ मैचों की मेजबानी को लेकर काम कर रहा है। उम्मीद है कि कोविड-19 की पाबंदियों में राहत मिलेगी। उन्होंने कहा, हम सभी ने इस सीरीज की मेजबानी के लिए काफी मेहनत की है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय यातायात और क्वारंटीन पाबंदियों के कारण इस सीरीज को बाद में आयोजित किया जाएगा।

मैं किसी टूर्नामेंट या मैच में ज्यादा उम्मीदों के साथ नहीं जाता : राहुल

दुबई।

किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ शानदार शतक जमा टीम को जीत दिलाई। राहुल ने कहा कि टीम के मुख्य कोच अनिल कुंबले सभी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहे हैं, खासकर युवाओं के लिए क्योंकि वह कुंबले के अनुभव से सीख सकते हैं। राहुल ने नाबाद 132 रनों की पारी खेली और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। राहुल ने एम्सट्राड इनसाइड स्पोर्ट फेस 2 फेस क्रिकेट सीरीज में बात करते हुए कहा, यह जरूरी है कि कोच और कप्तान ऐसे हों, जिनके साथ रहना पसंद करें। अनिल कुंबले के पास काफी सारा अनुभव है। उन्होंने फ्रेंचाइजी की कप्तानी की है, वह टीमों का हिस्सा रहे हैं। वह आईपीएल में कई वर्षों से हैं। उन्होंने कहा, वह जानते हैं कि टीम किस तरह से बनती है और दो महीनों में आईपीएल टीम के खिलाड़ी किस माहौल से गुजरते हैं। वह इससे खुद गुजरे हैं। वह अब कोचिंग की है, इससे टीम को मदद मिलती है। इससे मुझे भी कप्तानी करने में मदद मिलती है। कप्तानी, विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी को लेकर राहुल ने कहा, मेरे लिए हमेशा यह उसी पल में खेलने की बात है। एक बार में एक गेंद पर ही ध्यान रखना, चाहे वो बल्लेबाजी हो, कप्तानी हो या विकेटकीपिंग हो। मैं चीजों को सरल रखने पर ध्यान देता हूं। मैं वो इंसान नहीं हूं जो आगे के बारे में ज्यादा सोचते। मैं मैच या किसी टूर्नामेंट में ज्यादा उम्मीदों के साथ नहीं जाता हूं।

सुआरेज को टीम से हटाने पर बार्सीलोना पर भड़के मेस्सी

बार्सीलोना । दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेस्सी ने साथी खिलाड़ी लुइस सुआरेज को टीम से हटाने पर अपनी फ्रेंचाइजी बार्सीलोना की आलोचना की। अर्जेंटीना के मेस्सी ने सुआरेज के साथ फोटो साझा करते हुए इंस्टाग्राम पर उनकी टीम से विदाई पर दुख और क्लब के खराब बर्ताव पर गुस्सा जताते हुए लिखा, 'तुम्हें दूसरी टीम की जर्सी में देखना अजीब होगा और उससे भी ज्यादा अजीब तुम्हारे खिलाफ खेलना होगा।' उन्होंने कहा, 'तुम शानदार विदाई के हकदार थे। तुम क्लब के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक हो।' इससे पहले बार्सीलोना ने बुधवार को कहा कि उसने एटलेटिको मैड्रिड से उरूग्वे के स्ट्राइकर सुआरेज को 'ट्रांसफर' करने का करार किया है जो 60 लाख यूरो (70 लाख डालर) राशि का है। बार्सीलोना के नए कोच रोनल्ड कोएमैन ने कहा था कि सुआरेज की उनकी योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं।

डीनो और मेरी दोस्ती 35 साल पुरानी थी, उनकी याद आएगी : कपिल देव

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि डीन जोंस का भारत के प्रति बेहद प्यार था और कोई भी विदेशी खिलाड़ी उनसे अधिक बार भारत नहीं आया होगा। कपिल ने कहा कि जोंस के साथ उनकी दोस्ती 35 साल की थी और वह उन्हें बेहद याद करेंगे। जोंस का गुरुवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। जोंस मुंबई के एक होटल में रुके थे। वह वहां आईपीएल कॉमेंट्री के लिए आए थे। कपिल ने आईएएनएस से कहा, डीनो मेरे काफी करीबी दोस्त थे। उनके निधन की खबर सुनकर मैं काफी दुखी हूं। मुझे उनके परिवार के लिए दुख है। आप उन्हें याद करोगे, लेकिन उनका परिवार मुश्किल दौर का सामना करेगा। मैं उन्हें 35 साल से जानता था। उन्होंने कहा, वह महान क्रिकेटर थे और सर्वश्रेष्ठ एथलीटों में से एक। विकेटों के बीच दौड़ने के वो मास्टर थे। वह एक शानदार कॉमेंटेटर थे और उनका सेंस ऑफ ह्यूमर शानदार था। कपिल ने साथ ही बताया कि जोंस के साथ घनिष्ठता होने के कारण साथ ही पेशेवर कामों के कारण उन्होंने भारत का कई बार दौरा किया। 1983 विश्व कप विजेता कप्तान ने कहा, शायद किसी और विदेशी खिलाड़ी ने डीनो से ज्यादा बार भारत का दौरा नहीं किया। उन्होंने शायद 100 बार से ज्यादा भारत का दौरा किया। लेकिन अब वो चले गए हैं, वह 60 साल के भी नहीं थे। मैल्कम मार्शल भी काफी कम उम्र में चले गए थे। कपिल ने जोंस को 20 पारी में गेंदबाजी की और चार बार उनका विकेट लिया। जोंस का भारत को प्यार करने का एक और कारण यह था कि उन्होंने अपना पहला शतक भारत के खिलाफ बनाया था। यह एक शानदार दोहरा शतक था वो भी मद्रास की कठिन परिस्थितियों में। सितंबर 1986 में, उनका तीसरा टेस्ट और पांचवीं पारी थी। साढ़े आठ घंटे गर्मी और उमस भरी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी और वह उल्टियां कर रहे थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया था और ड्रिप चढ़ाई गई थी। चेपक में खेला गया यह मैच टाई रहा। संन्यास के बाद जोंस ने भारतीय टीवी चैनलों के साथ काम करना शुरू कर दिया था उन्हें प्रोफेसर डीनो नाम दिया था। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल का नाम भी प्रोफडीनो रखा था। भारत के पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसकर ने जोंस के साथ खेलने को दिनों को याद किया, वह बेहद शानदार और हंसते-खेलते इंसान थे। जब मैंने यह खबर सुनी तो मैं हैरान रह गया।

जाहिर सी बात है कि हम दोनों एक दूसरे के खिलाफ खेले थे। हम एक बार साथ भी खेले थे। मारलीबोन क्रिकेट क्लब और शेष विश्व एकादश के बीच खेले जाने वाले पांच दिन के मैच से पहले खेले गए तीन मैचों में से एक में। विश्व एकादश और ग्लोसेस्टरशायर के बीच मैच में डीनो और मैंने 200 रनों की साझेदारी की।

राजपूत के लिए पाकिस्तानी वीजा पाने के प्रयास में है जिम्बाब्वे क्रिकेट

हरारे। जिम्बाब्वे की टीम आगामी सीरीज के लिए पाकिस्तान दौरा करने वाली है और इसके लिए जिम्बाब्वे क्रिकेट चाहता है कि उसके कोच और भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज लालचंद राजपूत भी पाकिस्तान जाएं। इसके लिए जिम्बाब्वे क्रिकेट राजपूत के लिए अलग से वीजा हासिल करने की तैयारी में है। जिम्बाब्वे को तीन मैचों की वनडे और टी20 सीरीज के लिए अक्टूबर-नवम्बर में पाकिस्तान दौरे पर होगी। यह सीरीज आईसीसी वर्ल्ड कप सुपर लीग का हिस्सा है। वनडे मुकाबले 30 अक्टूबर, 1 और 3 नवम्बर को खेले जाने हैं जबकि टी20 मुकाबले 7,8 और 10 नवम्बर को होने हैं। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने कहा है कि राजपूत उसके कोच हैं और वह चाहता है कि वह भी पाकिस्तान दौरे पर जाएं और वह इसके लिए इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तानी अधिकारियों से राजपूत के नाम वीजा जारी करने का अनुरोध करेगा। राजपूत कोरोना के कारण टीम से नहीं जुड़ सके हैं। वह अभी भारत में ही हैं। राजपूत ने कहा कि वह टीम के साथ जुड़ना चाहते हैं और भारत तथा जिम्बाब्वे के बीच फ्लाइट सेवा शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

कृषि बिल के खिलाफ तेजस्वी ने निकाली ट्रैक्टर रैली, बोले- 'अन्नदाता' को 'निधिदाता' की कठपुतली बना दिया

पटना. कृषि विधेयक के विरोध के लिए बिहार में विपक्षी दलों के नेता सड़क पर उतर आए हैं. इसी क्रम में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने ट्रैक्टर रैली निकाली. तेजस्वी ने कहा कि सरकार ने हमारे 'अन्नदाता' को 'निधि दाता' के माध्यम से कठपुतली बना दिया है. कृषि बिल किसान विरोधी है. सरकार ने कहा था कि वो 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करेगी, लेकिन ये बिल उन्हें और गरीब बना देगा. कृषि क्षेत्र का कॉर्पोरेटीकरण किया गया है.

बता दें कि किसानों को लेकर मोदी सरकार द्वारा लाए गए बिल पर संग्राम जारी है. भारतीय किसान यूनियन समेत विभिन्न किसान संगठनों ने शुक्रवार को देशभर में चक्का जाम करने का ऐलान किया है. इसमें 31 संगठन शामिल हो रहे हैं. किसान संगठनों को बिहार में कांग्रेस, RJD, जाप और वामपंथी दलों का समर्थन प्राप्त है.

इससे पहले गुरुवार को तेजस्वी यादव ने कहा था कि ह्ळ सरकार लगातार गरीब और किसान विरोधी फैसले ले रही है. केंद्र की नरेंद्र मोदी की सरकार को संख्या बल का इतना गुमान है कि बगैर किसानों, उनके संगठन और राज्य सरकार से राय-मशवरा किये कृषि क्षेत्र का भी निजीकरण, ठेका प्रथा और कॉर्पोरेटीकरण कर रही है. तेजस्वी यादव ने कहा कि लोकसभा में एकतरफ़ा 3 कृषि विधेयकों का पास कराना किसानों के हाथ काटने जैसा है. नेता प्रतिपक्ष ने केंद्र सरकार से किसान विरोधी अध्यादेश को तुरंत वापस लेने की मांग की है.

Indore : CM शिवराज को ठंडी और सख्त रोटियां पैक करने पर खाद्य निरीक्षक मनीष स्वामी सस्पेंड

इंदौर. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के इंदौर दौरे के दौरान उनके खाने में हुई चूक खाद्य और औषधि प्रशासन विभाग के निरीक्षक मनीष स्वामी को महंगी पड़ गई. सीएम के प्रोटोकॉल में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर मनीष सिंह ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया. कलेक्टर ने कहा प्रोटोकॉल के तहत सीएम के लिए जिस क्वालिटी का खाना होना चाहिए था, उसमें चूक की गई. खाना पैक करते समय पूरे प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया गया.

आकाश विजयवर्गीय के क्षेत्र में विकास कार्य

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इंदौर के विधानसभा क्षेत्र तीन में 50 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन करने पहुंचे थे. इस विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के बेटे आकाश विजयवर्गीय विधायक हैं. उन्हीं के अनुरोध पर सीएम यहां आए थे. इससे पहले वे बुरहानपुर जिले के नेपानगर विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर थे. इस वजह से सीएम के यहां आने में दो घंटे लेट हो गए. उन्हें शाम सवा 6 बजे यहां पहुंचना था लेकिन वे रात सवा 8 बजे इंदौर पहुंच सके.

तीन घंटे की देरी के कारण गड़बड़ी

रात होने और खराब मौसम के कारण उन्होंने हेलिकॉप्टर के बजाय कार से भोपाल जाने का फैसला किया. लगातार कार्यक्रमों की वजह से मुख्यमंत्री खाना नहीं खा पाए थे. इसलिए उन्होंने खाना पैक कर गाड़ी में रखने के निर्देश कलेक्टर को दिए थे. सूत्रों के मुताबिक कलेक्टर मनीष सिंह के निर्देश पर खाद्य अधिकारी मनीष स्वामी ने सीएम के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के समय के मुताबिक खाना शाम 6 बजे ही बनवा लिया था. लेकिन सीएम दो घंटे लेट हो गए और वे रात नौ बजे के बाद यानि तीन घंटे बाद इंदौर से रवाना हो पाए. इसलिए तब पैक किया हुआ खाना ठंडा हो गया और रोटियां सख्त हो गयी थीं. ठंडी और सख्त रोटियां मिलने पर सीएम शिवराज ने नाराजगी व्यक्त की थी.

फेसबुक पर नाना को हुई मोहब्बत, फिर प्रेमिका को पाने के लिए 15 महीने के मासूम नाती का किया अपहरण

प्रयागराज पुलिस ने 48 घंटे के अंदर अपहरण का खुलासा करते हुए बच्चे को सकुशल बरामद कर उसके माता-पिता को सौंप दिया है. पुलिस ने मुख्य अपहरणकर्ता नन्हे और उसके साथी दिलदार को भी गिरफ्तार कर लिया है.

प्रयागराज. संगम नगरी प्रयागराज में रिश्तों को कलंकित करने वाला मामला सामने आया है. यहां एक नाना को फेसबुक पर प्यार (स्थ्1द्ग) हो गया. फिर उस फेसबुक प्रेमिका को पाने के लिए उसने अपनी ही 15 माह के नाती का अपहरण कर लिया. यही नहीं बच्चे को जान से मारने की धमकी भी दी. मासूम के अपहण की जानकारी होने पर पुलिस में हड़कंप मच गया.

48 घंटे में पुलिस ने किया खुलासा

करेली थाना पुलिस ने बच्चे के अपहरण का मुकदमा दर्ज कर अपहरणकर्ताओं की तलाश में क्राइम ब्रांच को लगा दिया. लेकिन शातिर अपहरणकर्ता फोन से बात नहीं कर रहे थे बल्कि मोबाइल एप के जरिए आपस में बातचीत कर रहे थे. जिससे पुलिस अपहरणकर्ताओं तक नहीं पहुंच पा रही थी. इसी बीच क्राइम ब्रांच को कुछ ऐसे सुराग मिले, जिससे आखिरकार अपहरणकर्ताओं तक पहुंच ही गई.

48 घंटे के अंदर पुलिस ने बच्चे को सकुशल बरामद कर उसके माता-पिता को सौंप दिया है. पुलिस ने मुख्य अपहरणकर्ता नन्हे और उसके साथी दिलदार को भी गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस अब दोनों ही आरोपियों को जेल भेजने की तैयारी कर रही है.

प्यार, धोखे और बदले की कहानी

अब आपको इस मासूम बच्चे के अपहरण की पूरी कहानी बताते हैं. दरअसल 15 माह के बच्चे का उसके रिश्ते के नाना नन्हे ने ही अपहरण कर लिया था. नन्हे सऊदी अरब में रहता था और फेसबुक पर उसकी करेली की एक लड़की से फेसबुक से दोस्ती हो गई. नन्हे पहले ही शादीशुदा था लेकिन उसने अपनी फेसबुक फ्रेंड को शादी के लिए राजी कर लिया. इस बीच वह भारत आया और अपने भांजे सलमान को लड़की के पास शादी का प्रस्ताव लेकर भेजा.

भांजे सलमान के भांजे का किया अपहरण

यहां कहानी ने नया मोड़ ले लिया. अपने मामा नन्हे की शादी का प्रस्ताव ले जाने वाले सलमान की भी उस फेसबुक फ्रेंड से दोस्ती हो गई. इसके बाद लड़की ने नन्हे से दूरी बना ली. नाराज नन्हे ने अपने भांजे सलमान से बदला लेने की सोची. उसने सलमान के 15 माह के भांजे का 22 सितम्बर को अपहरण कर लिया और सलमान को फोन कर अपनी फेसबुक फ्रेंड को वापस करने की मांग करने लगा.

एसएसपी ने पुलिस टीम को दिया इनाम

बच्चे के अपहरण की जानकारी जब उसके पिता करेहदा निवासी मंसूर अली को हुई तो उसने पुलिस में बच्चे के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई. पुलिस ने सर्विलांस और क्राइम ब्रांच की मदद से 48 घंटे के भीतर बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया. एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने बच्चे की सकुशल बरामदगी करने और अपहरणकर्ताओं की गिरफ्तारी किए जाने पर पुलिस टीम को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया है.

चीनी मिल के वाटर टैंक में मिला मगरमच्छ, देखें कैसे कड़ी मशक्कत के बाद हुआ रेस्क्यू

लखीमपुर खीरी. उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के एक चीनी मिल के वाटर टैंक में मगरमच्छ देखे जाने से हड़कंप मच गया. हंगामे के बीच वन विभाग को इसकी सूचना दी गई. मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद इस मगरमच्छ को रेस्क्यू किया. बाद में विभाग ने मगरमच्छ को शारदा नदी में छोड़ दिया.

मामला लखीमपुर खीरी के पलिया कोतवाली के बजाज चीनी मिल का है. यहां वाटर टैंक में बरसात के दौरान करीब एक 1 साल उम्र का मगरमच्छ घुस गया. जब चीनी मिल के कर्मचारियों ने इस मगरमच्छ को देखा तो हड़कंप मच गया. आनन-फानन में वन विभाग की टीम को सूचना दी गई. वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को लगभग 2 घंटे की मेहनत के बाद रेस्क्यू किया. वन विभाग की टीम ने इस मगरमच्छ को रेस्क्यू कर शारदा नदी में ले जाकर छोड़ दिया. इस संबंध में प्रिया रेंज के डिप्टी रेंजर विजेंद्र सिंह ने बताया कि जांच में पता चला कि ये मगरमच्छ लगभग 1 साल का है. काफी मेहनत के बाद इसको हम लोग को पकड़ पाए हैं. अब ले जाकर नदी में छोड़ दिया है.

काफी सावधानी और कोशिश के बाद मिली सफलता

बता दें कि वन विभाग के लिए यह बचाव कार्य काफी मुश्किल इसलिए हो गया था, क्योंकि टैंक करीब 10 फुट गहरा है. पहले विभाग से दो लोग टैंक के अंदर गए और उन्होंने काफी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को फंदा डालकर फंसाया. इसके बाद बाहर खड़े शख्स ने फंदे को खींच कर मगरमच्छ को बेहद सावधानी से बाहर किया. पता चला कि यह एक नर मगरमच्छ था. विभाग का कहना है कि ये शायद बाढ़ के पानी के साथ चीनी मिल के अंदर पहुंच गया होगा. बता दें खीरी की नदियां दुधवा जंगलों से होकर गुजरती हैं और मगरमच्छों से भरी होती हैं. वे अक्सर बाढ़ के पानी के साथ गांव के तालाबों आदि तक पहुंच जाते हैं. जानकारी के अनुसार वन विभाग इस साल अब तक करीब 20 मगरमच्छों का रेस्क्यू कर चुका है.

UP में एंटी रोमियो अभियान: अब तक 35 लाख से ज्यादा को चेतावनी, 7,351 FIR और 11,564 व्यक्तियों की गिरफ्तारी

लखनऊ. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद महिलाओं और लड़कियों में सुरक्षा की भावना को और अधिक सुदृढ़ किये जाने के उद्देश्य से गठित एंटी रोमियो दल की कार्रवाई में में और अधिक तेजी लाई गई है. छेड़छाड़ की घटनाओं पर प्राथमिकता से पूर्णतया अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्रदेश के हर जिले में एंटी रोमियो स्क्वाड सक्रिय है. पूरे प्रदेश से मिले आंकड़ों के अनुसार अब तक 35 लाख से अधिक स्थानों पर 83 लाख से अधिक व्यक्तियों की चेंकिग की गई, जिनमें 7,351 के खिलाफ मुकदमे हुए और 11,564 व्यक्ति गिरफ्तार किए गए.

सभी मंडलों की समीक्षा हुई

अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने गुरुवार को गृह एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान इस दिशा में हुई कार्रवाई की गहन समीक्षा की. प्रदेश में प्रयागराज, आगरा, बरेली, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी व गोरखपुर मण्डल तथा पुलिस आयुक्त, लखनऊ व गौतमबुद्धनगर द्वारा इस दिशा में किये गये प्रयासों की मण्डलवार समीक्षा करते हुये अवस्थी ने कहा कि ठोस और प्रभावी कार्रवाई करके जनमानस में पुलिस की बेहतर छवि का प्रदर्शन किया जाय. ताकि महिलाओं और बालिकाओं में पुलिस के प्रति और अधिक भरोसा भी बढ़े.

महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों पर बरतें सख्ती

बैठक में बताया गया कि प्रदेश भर में स्कूल, कॉलेजों, सार्वजनिक स्थलों जैसे मार्केट चौराहों, मॉल, पार्क, अन्य स्थान पर अब तक 35 लाख से अधिक स्थानों पर 83 लाख से अधिक व्यक्तियों की चेंकिग की गई. इनमें में से 7,351 के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई और 11,564 व्यक्ति गिरफ्तार किए गए. 35 लाख से अधिक व्यक्तियों को चेतावनी देकर छोड़ा गया. अवनीश अवस्थी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिलाओं और बालिकाओं के खिलाफ होने वाली किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जाय और अपराधियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए.

राजस्थान: सांसद-विधायकों के सम्मान में खड़े नहीं हुए तो अफसरों को पड़ेगा भारी, जानिए पूरा मामला

जयपुर. राज्य की अफसरशाही द्वारा सांसदों-विधायकों के प्रति रुखे व्यवहार से क्षुब्ध मुख्य सचिव राजीव स्वरूप ने सख्त हिदायत दी है. उन्होंने कहा कि जब कभी कोई सांसद या विधायक उनसे मिलने आए तो स्वागत और विदाई के समय उनके सम्मान में खड़ा होना चाहिए. उनके द्वारा बताई समस्या-सुझाव पर विशेष ध्यान देते हुए शीघ्र कार्रवाई की जानी चाहिए.

मुख्य सचिव ने सभी कलेक्टर्स, अतिरिक्त मुख्य सचिव और विभागों के सचिवों को इस संबंध में सर्कुलर जारी किया है. हाल ही में सांसदों और विधायकों ने इस बारे में मुख्य सचिव को पत्र लिखा था. इस पत्र में जनप्रतिनिधियों ने अफसरशाही के प्रति नाराजगी जताई थी. जनप्रतिनिधियों के पत्र पर एक्शन लेते हुए मुख्य सचिव ने यह परिपत्र जारी किया है.

अफसरों का व्यवहार शालीन एवं विनम्र हो

मुख्य सचिव ने परिपत्र में कहा है कि सरकार की पहली प्राथमिकता राज्य में पारदर्शी, जवाबदेही एवं संवेदनशील शासन उपलब्ध कराने की है. सांसद-विधायक अपने क्षेत्र की जनता के प्रतिनिधि के रूप में नागरिकों की सार्वभौमिक सत्ता का विधायिका में निर्वहन करते हैं. विकास एवं जनसमस्या संबंधी कार्यों में उनका विशेष योगदान रहता है. ऐसे में उनके प्रति व्यवहार बहुत शालीन एवं विनम्र रहना चाहिए.

विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी दी जाए

सर्कुलर में आगे कहा गया है कि जिले में जो भी विकास कार्य हो रहे हैं या नए प्रारंभ किए जाने हैं, उसकी प्रगति के बारे में सांसद-विधायक को समय-समय पर अवगत कराया जाए. अकाल राहत कार्यों के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों एवं श्रमिक संख्या के बारे में नियमित रूप से उन्हें जानकारी दी जाए. इस संबंध में यदि उनका पत्र प्राप्त होता है तो उसका तत्काल जवाब दिया जाए और समय-समय पर प्रगति से भी अवगत कराया जाए.

उत्तराखंड: अवैध कब्ज़े को सही ठहराने के लिए होटल मालिक का तर्क... अतिक्रमण कर बसा है 87% शहर

➤जनहित याचिका में कहा कि 2019 में जिला विकास प्राधिकरण ने इस होटल को सीज़ कर दिया था. इसके बावजूद निर्माण का काम बदस्तूर चल रहा है.

नैनीताल. रामनगर में सरकारी भूमि पर होटल निर्माण पर उत्तराखंड हाईकोर्ट ने रोक लगा दी होटल मालिक ने पालिका पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि कहा कि ज़्यादातर रामनगर तो अतिक्रमण की ज़मीन पर ही बसा है लेकिन टार्गेट सिर्फ़ उन्हें किया जा रहा है. होटल मालिक की याचिका को खारिज करते हुए कहा हाईकोर्ट ने कहा कि याचिका के निस्तारण तक रोक जारी रहेगी. हाईकोर्ट ने नगर पालिका को भी जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है.

होटल सीज़, पर होता रहा निर्माण

दरअसल भवानीगंज के पास 5 बीघा जमीन के साथ अतिक्रमण कर तीन मंज़िला होटल निर्माण किया जा रहा है. 2017-18 में पालिका की कार्रवाई के बाद भी इसे रोका नहीं जा सका है. इस पूरे मामले को लेकर कुलदीप महेश्वरी ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर कहा है कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर होटल निर्माण किया जा रहा है जबकि पालिका के पास चिल्ड्रन पार्क और अन्य काम के लिए ज़मीन की कमी है.

याचिका में कहा कि 2019 में जिला विकास प्राधिकरण ने इस होटल को सीज कर दिया था. इसके बावजद इसके निर्माण का काम बदस्तूर चल रहा है. हाईकोर्ट ने 25 जुलाई को निर्माण पर रोक लगा दी थी और कहा कि अगर निर्माण होता रहा तो ज़िला विकास प्राधिकरण और नगर पालिका जिम्मेदार होंगे. सरकार ने भी हाईकोर्ट में माना कि यह होटल सरकारी ज़मीन का अतिक्रमण कर बनाया जा रहा है.

ज़्यादातर अतिक्रमणकारी

कमाल यह है कि होटल मालिक सरकारी ज़मीन पर अवैध कब्ज़े को सही साबित करने के लिए हाईकोर्ट पहुंच गया. उसने कोर्ट में याचिका दायर कर होटल निर्माण पर लगी रोक हटाने की मांग की. अधिवक्ता दुष्यंत मैनाली ने बताया कि मोहम्मद अकरम ने कोर्ट में जो हलफ़नामा दिया है उसमें कहा है कि आधे से ज्यादा रामनगर अतिक्रमण पर बसा है लेकिन परेशान सिर्फ़ उनको किया जा रहा है.

दुष्यंत बताते हैं कि सुनवाई के दौरान कोर्ट पूछती रही कि क्या उनके पास भवन निर्माण की अनुमति है ? लेकिन होटल मालिक ऐसी कोई अनुमति नहीं दिखा सका. इसके बाद कोर्ट ने निर्माण पर लगी रोक को आगे बढ़ा दिया.

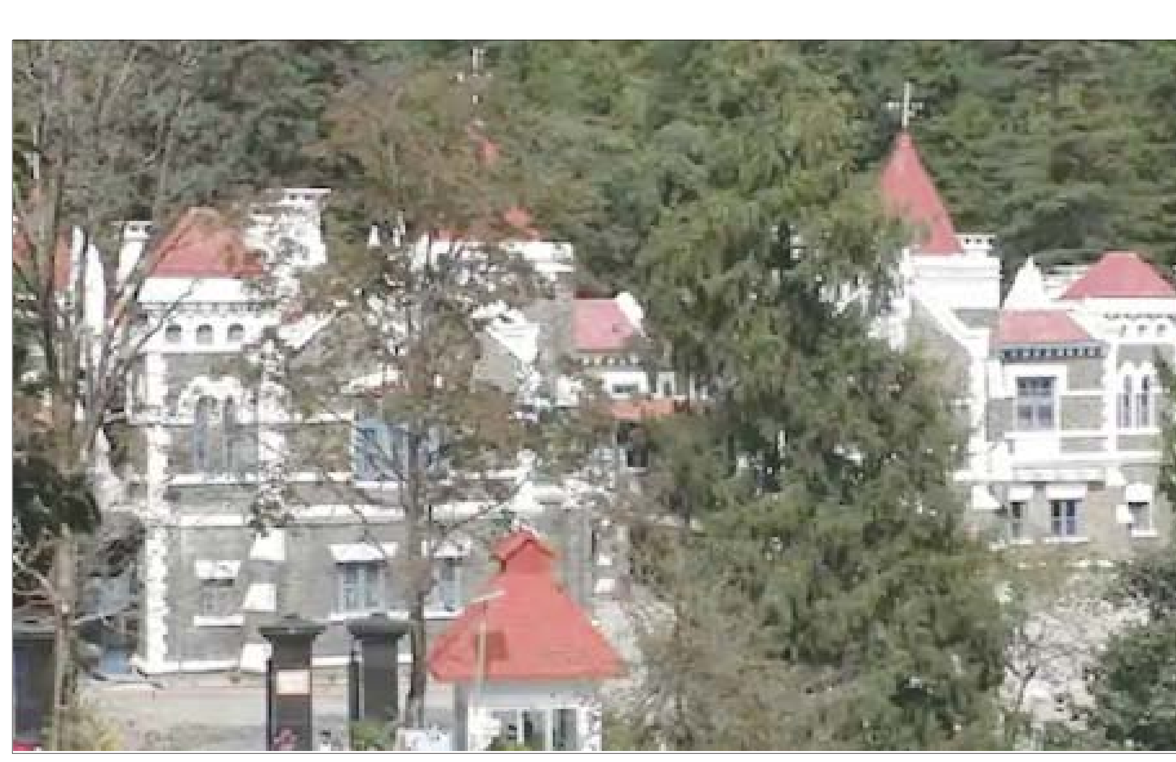

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

2020 खत्म होने से पहले अमेरिका बना सकता है इतिहास, कोविड-19 के टीके को लेकर हुआ नया ऐलान

इंटरनेशनल डेस्क।

व्हाइट हाउस ने वीरवार को कहा कि कोविड-19 के टीके के साल के अंत तक आने की उम्मीद है और यदि ऐसा होता है, तो यह किसी भी वायरस के टीके को विकसित करने में लगा सबसे कम समय होगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केली मेकनैनी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम उम्मीद कर रहे हैं कि टीका साल के अंत तक आ जाएगा। यह हमारा हमेशा से लक्ष्य रहा है और हम इस पर काम कर रहे हैं। मेकनैनी ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वाणिज्यिक स्तर पर निर्माण के संबंध में जो किया है, वह बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने पहले ही टीकों के निर्माण की क्षमता बढ़ाने की तैयारी कर ली है। वह एक उद्योगपति हैं, इसलिए वह रिकॉर्ड समय में टीकों को लाने और उसे वितरित करने के बारे में सोचते हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि ऐसा करने के लिए, आम तौर पर वाणिज्यिक-स्तर के उत्पादन में कई वर्षों का समय लगता है, लेकिन राष्ट्रपति ने कुछ महीनों में ही यह कर दिखाया। अगर यह टीका साल के अंत तक आ गया तो, अभी तक के इतिहास में किसी वायरस के टीके को बनने में लगा यह सबसे कम समय होगा।

जापान के प्रधानमंत्री को पीएम मोदी ने लगाया फोन, भारत आने का दिया निमंत्रण

नेशनल डेस्क।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा से फोन पर बातचीत की। मोदी ने सुगा की प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्ति पर उन्हें बधाई दी और लक्ष्यों को हासिल करने में सफलता के लिए उन्हें शुभकामना दी। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जतायी कि पिछले कुछ सालों में भारत-जापान विशेष सामरिक तथा वैश्विक भागीदारी में काफी प्रगति हुई है और उन्होंने आपसी विश्वास तथा साझा मूल्यों पर आधारित इस रिश्ते को अधिक मजबूत करने का इरादा जताया। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी सहित अन्य वैश्विक चुनौतियों को देखते हुए दोनों देशों के बीच साझेदारी और भी अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिन्द प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक तंत्र को जरूरत अनुसार आपूर्ति श्रृंखलाओं पर आधारित किया जाना चाहिए और इस संदर्भ में उन्होंने भारत, जापान और अन्य समान विचारधारा वाले देशों के बीच सहयोग का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने उनके देशों के बीच आर्थिक साझेदारी में प्रगति की सराहना की और इस संदर्भ में कुशल श्रमिकों से संबंधित समझौते के मसौदे को अंतिम रूप दिये जाने का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने वैश्विक कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न स्थिति में सुधार के बाद प्रधानमंत्री सुगा को वार्षिक द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का आमंत्रण दिया।

गलवान घाटी हिंसक झड़प में मारे गए कितने चीनी सैनिक, चीन ने पहली बार बताई संख्या

नेशनल डेस्क:

पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी में 15 जून को हुई हिंसक झड़प के दौरान भारत के 20 जवान शहीद हुए थे। चीन ने हाल ही में माना था कि गलवान झड़प के दौरान चीनी सैनिकों को भी नुकसान पहुंचा था। अब इस बात से भी पर्दा उठा है कि आखिर कितने चीनी सैनिक इस झड़प के दौरान हताहत हुए। द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने भारत के साथ बैठक में पहली बार बताया कि गलवान घाटी झड़प में उसके 5 सैनिक मारे गए थे। इसमें चीनी सेना का एक कमांडिंग ऑफिसर भी शामिल था। इससे पहले चीन ने केवल एक सैनिक के मरने की बात मानी थी। चीन भले ही अभी 5 सैनिकों के ही मारे जाने की बात कर रहा है लेकिन अमेरिकी और भारतीय खुफिया एजेंसियों का अनुमान है कि कम से कम 40 चीनी सैनिक इस हिंसा मारे गए थे। इस समय पूर्वी लद्दाख के देपसांग, पैंगोंग झील के नॉर्थ और साउथ बैंक, पेट्रोलिंग प्वाइंट 17A, रेजांग ला और रेचिन ला में दोनों ही सेनाएं आमने-सामने हैं। भारत ने बैठक में चीन को साफ शब्दों में कहा है कि हमारे सैनिक अपनी सुरक्षा और पूर्वी लद्दाख में सीमा की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। भारत ने कहा कि अगर हालात नियंत्रण से बाहर हुए तो हमारे सैनिक गोली चलाने से भी नहीं हिचकेंगे। एक अधिकारी ने पहचान न बताते की शर्त पर कहा कि चीन को साफ संदेश दिया गया है कि धक्का-मुक्की और झड़प की कार्रवाई अब बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चीनी सेना के प्रवक्ता झांग शुइली ने कहा कि झड़प में दोनों ही पक्षों के लोग मारे गए थे लेकिन उन्होंने अपने सैनिकों की संख्‍या या नहीं बताई थी।

अमेरिका कभी ना समाप्त होने वाले 'हास्यास्पद' विदेशी युद्धों से दूर रहेगा : ट्रंप

वाशिंगटन:

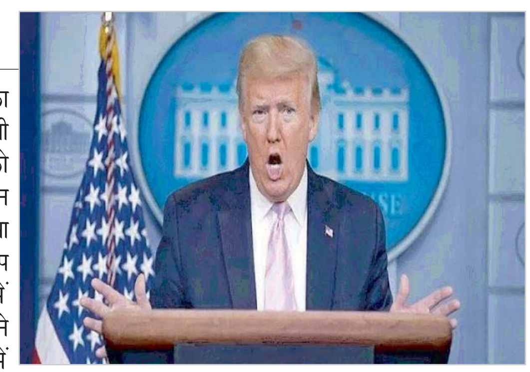

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका कभी ना समाप्त होने वाले 'हास्यास्पद' विदेशी युद्धों से दूर ही रहेगा और अपने सैनिकों को वापस बुलाएगा। साथ ही उन्होंने उन आतंकवादियों को मार गिराने का संकल्प लिया जो अमेरिकियों को धमकी देते हैं। चुनावी रूप से बेहद महत्वपूर्ण राज्य फ्लोरिडा में बृहस्पतिवार को आयोजित एक रैली में ट्रंप ने आरोप लगाया कि पिछले कई दशकों में अमेरिकी राजनेताओं ने दूसरे देशों के पुनर्निर्माण, विदेशी युद्धों को लड़ने और विदेशी सीमाओं की सुरक्षा के लिए खरबों डॉलर खर्च किए। उन्होंने कहा, ' लेकिन, अब हम अंततः अपने शहरों के पुनर्निर्माण के लिए अपने देश की सुरक्षा कर रहे हैं। साथ ही हम अपनी नौकरियों, अपनी कंपनियों और अपने सैनिकों को वापस अपने घर अमेरिका ला रहे हैं।' ट्रंप ने अपने समर्थकों को कहा,'हम उन आतंकवादियों को मार गिराएंगे जो हमारे नागरिकों के लिए खतरा हैं और हम उन्हें अपने महान देश अमेरिका में घुसने नहीं देंगे। हम कभी ना समाप्त होने वाले 'हास्यास्पद' विदेशी युद्धों से दूर ही रहेंगे।' इन युद्धों का हवाला देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिकी सैनिक अपने घरों को लौट रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

इजरायली सेना ने किया नई मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण

तेल अवीवः इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) ने शुक्रवार को समुद्र से समुद्र में मार करने वाली नई मिसाइल प्रणाली के सफल परीक्षण की घोषणा की। आईडीएफ ने एक विज्ञप्ति में कहा,'' नई मिसाइल प्रणाली को इजरायल की नौसेना की श्रेष्ठता निरंतर सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है।'' ईरान की अपनी नौसेना के लिए अबू-महदी लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों के बारे में घोषणा के एक महीने बाद इजरायल ने यह एलान किया है। उल्लेखनीय है कि इजरायल ईरान को अपने कट्टर दुश्मन के रूप में देखता है। गत सालों में इजरायली रक्षा प्रतिष्ठान ने अपनी नौसेना क्षमताओं को मजबूत करने में भारी निवेश किया है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार नयी इजरायली मिसाइल प्रणाली में लंबी दूरी और सटीक आक्रामक विकल्पों के साथ बेहतर क्षमतायें हैं। परीक्षणों की एक श्रृंखला में डमी लक्ष्य पोत पर मिसाइल दागना शामिल था। आगामी महीनों में इस प्रणाली के इजरायली नौसेना के फ्लोटिला में समेकित होने की उम्मीद है।

नये पायलटों के लाइसेंस जारी नहीं करे पाकिस्तानः आईसीएओ

इस्लामाबाद ; अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) ने पाकिस्तान की सरकार से कहा है कि वह उस कथित घोटाले के मद्देनजर देश में नए पायलट लाइसेंस जारी न करें जिसमें फर्जी व्यावसायिक लाइसेंस प्राप्त लोग शामिल थे। डॉन न्यूज ने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि आईसीएओ की सिफारिशें पांच नागर उड्डयन अधिकारियों और करीब 50 पायलटों से जुड़ी आपराधिक जांच शुरू होने के बाद आई हैं। इन पायलटों के फर्जी तरीके से लाइसेंस हासिल करने का मामला सामने आया था। आईसीएओ ने कहा है कि पाकिस्तान को अपनी लाइसेंस प्रणाली में सुधार करना चाहिए और वह नये लाइसेंस जारी होने से पहले विसंगतियों को रोकने के लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करे। पाकिस्तान के विमानन मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक इस घोटाले के मद्देनजर और सरकार की ओर से सुधार के उपायों के तहत गत जुलाई से कोई नया लाइसेंस जारी नहीं किया गया है।

ब्राज़ील में कोरोना से करीब 1.40 लाख लोगों की मौत

रियो डी जनेरियो । दक्षिण अमेरिकी देश ब्राज़ील में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के प्रकोप से पिछले 24 घंटों के दौरान 831 संक्रमित लोगों की मौत के बाद देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या 139,808 पर पहुंच गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इस दौरान 32,817 नए मामलों की भी पुष्टि होने के बाद कुल संक्रमितों की तादाद 4,657,702 हो गई हैं।ब्राज़ील की सबसे अधिक आबादी वाला राज्य साओ पाउलो कोरोना के प्रसार का केंद्र बना हुआ है और यहां अबतक 958,240 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 34,677 34,677 लोगों की मौत हुयी हैं। इसके अलावा राजधानी रिओ डी जेनेरियो में अबतक 257,985 लोग संक्रमित हुए हैं और 18,037 लोगों की मौत हो चुकी हैं।ब्राजील के रक्षा मंत्री फर्नांडो अजेवेदो ने कहा कि सरकार ने पिछले छह महीनों में कोरोना महामारी से लड़ने के मद्देनजर देश भर में 28,729 सैनिकों की तैनात की है।

फ्रांसःकोरोना मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि, दोबारा लग सकता लॉकडाउन

मास्को । फ्रांस के प्रधानमंत्री जीन कास्टेक्स ने अपने देश के नागरिकों को चेताया है कि कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर देश में दोबारा लॉकडाउन लागू किया जा सकता है।फ्रांस की राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसी सेंट पॉब्लिक ने गुरुवार को कहा कि देश ने पिछले 24 घंटों के भीतर 16,000 से अधिक कोरोना वायरस मामलों की पुष्टि हुई है, जो प्रकोप की शुरुआत के बाद से अबतक की सर्वाधिक दैनिक वृद्धि है।फिगारो समचारपत्र के अनुसार श्री कास्टेक्स ने गुरुवार को कहा, 'अगर हम हाथ पर हाथ धरे बैठें रहे, तो हमें मार्च जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। स्थिति और बिगड़ने की स्थिति में दोबारा कर्फ्यू लगाया जा सकता है।' गौरतलब है कि फ्रांस में कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर पहली बार 17 मार्च को लॉकडाउन लागू किया गया था। कोरोना मामलों में गिरावट देखते हुए 11 मई से लॉकडाउन में ढिल देना शुरू कर दिया गया। फ्रांस में कोरोना वायरस के अबतक 536,000 नए मामले सामने आए हैं वहीं 31,000 से अधिक लोगों की मौतें हो चुकी है।

किसे मिलेगी कोरोना की सबसे पहले वैक्सीन? ये मुल्क हैं रेस में सबसे आगे

बीजिंगः कोविड-19 के चीन में विकसित वैक्सीन को पहले पाने वाले देशों में ब्राजील, इंडोनेशिया और तुर्की शामिल है जहां इस वैक्सीन के तीसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण चल रहे हैं। सिनोवैक डेवलपर के सीईओ यीन वेइदोंग ने संवाददाताओं को यह जानकारी दी। वेइदोंग ने कहा, हमने ब्राजील में 21 जुलाई , इंडोनेशिया में एक अगस्त को और तुर्की में 16 सितम्बर को क्लिनिकल परीक्षण के तीसरे चरण की शुरुआत की है। हमें बंगलादेश में भी इसके लिए स्वीकृति प्राप्त हो गयी है। प्राथमिकता के आधार पर वैक्सीन के पहले लॉट चीन के साथ ही ब्राजील, इंडोनेशिया और तुर्की में वितरित किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि कंपनी पहले से ही वैक्सीन की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए एक विनिर्माण संयंत्र का निर्माण कर रही है। उन्होंने वैक्सीन के अनुमानित लागत की जानकारी देने से यह कहते हुए इंकार कर दिया कि इसका मूल्य कई तरह कारकों पर निर्भर करेगा। उन्होंने सिनोवैक वैक्सीन के वर्ष के अंत तक बाजार में आने की उम्मीद जतायी है।

चीन के साथ सीमा विवाद के मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में नहीं उठाएगा भारत

नई दिल्ली:

भारत ने कहा है कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन के साथ मौजूदा सीमा विवाद को वह संयुक्त राष्ट्र के मंच पर नहीं उठाएगा। भारत ने स्पष्ट किया है कि दोनों पक्ष इस विवाद का समाधान द्विपक्षीय बातचीत के जरिये कर सकते हैं।संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने एक बयान में कहा, '' दोनों देश इतने परिपक्व हैं कि आपसी विश्वास मजबूत करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के जरिये द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से इसका विवाद का समाधान कर सकते हैं।'' चीन के साथ सीमा विवाद के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में चर्चा कराने की भारत मांग करेगा अथवा नहीं इस पर तिरुमूर्ति ने कहा, '' हम इस मुद्दे का समाधान करने के लिए पहले से ही द्विपक्षीय रूप से काम कर रहे हैं। हमारे द्विपक्षीय मामलों में संयुक्त राष्ट्र की कोई भूमिका नहीं हो सकती।' दरअसल, पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर सीमा विवाद को लेकर भारत और चीन के बीच पिछले करीब चार महीनों से तनाव बरकरार है। इसका समाधान करने के लिए दोनों देशों के बीच विदेश मंत्री स्तर की मुलाकात से लेकर अब तक कई चरण की बातचीत हो चुकी है। गौरतलब है कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को लेकर मध्यस्थता करने के प्रस्ताव को भी यह कहकर ठुकरा दिया था कि इसका समाधान द्विपक्षीय बातचीत के जरिये किया जा सकता है।

थाईलैंड में फेसबुक और ट्विटर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू, साइबर क्राइम थाने में दर्ज कराई शिकायत

बैंकॉक:

थाईलैंड की सरकार ने सोशल मीडिया से आपत्तिजनक सामग्री नहीं हटाए जाने पर फेसबुक और ट्विटर पर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। डिजिटल अर्थव्यवस्था और समाज मंत्रालय ने साइबर क्राइम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। डिजिटल मंत्री पुतिपोंग ने कहा अदालत के आदेश के बाद भी फेसबुक और ट्विटर ने हमारी कोई बात नहीं मानी तो हमने उनपर कानूनी कार्रवाई का फैसला किया। वहीं गूगल के खिलाफ कोई ऐसी कार्रवाई नहीं की है क्योंकि उसके वीडियो प्लेटफॉर्म ने आपत्तिजनक सामग्री को हटा लिया था। थाईलैंड में कंप्यूटर अपराध को रोकने के लिए एक सख्त कानून है जिसके आधार पर ऐसी शिकायतों का निपटारा किया जाता है और कंपनी या व्यक्ति के दोषी पाए जाने पर कठोर दंड भी दिया जाता है। वहीं फेसबुक और ट्विटर पर केस को लेकर सरकार का कहना है कि कंपनियों के पास अब दो रास्ते बचे हैं या तो वो हमसे बात करें या फिर मुकदमे का सामना करे। साथ ही कहा अगर कंपनियों ने अपनी गलती मान ली तो जुर्माना लगाकर बात खत्म कर सकते हैं। गौरतलब है कि थाईलैंड में पहले भी राजशाही को लेकर लोग अपनी बात सोशल मीडिया के जरिए कह रहे हैं और वहीं की सरकार पर सवाल उठाते हैं। इसे लेकर थाईलैंड की सरकार ने कानूनी कार्रवाई की बात कही थी। पिछले कुछ दिनों में सोशल मीडिया पर थाईलैंड के राज परिवार को लेकर काफी आपत्तिजनक बातें कही जा रही थीं।

दुनिया में कोरोना के मामले 3.24 करोड़ के पार, अब तक 9.87 लाख लोगों की मौत

न्यूयॉर्क:

दुनिया में इस वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 32,413,884 हो गई है. दुनिया भर में अब तक कोरोना महामारी से 2.39 करोड़ से ज्यादा मरीज ठीक हो चुके हैं। अमेरिका में कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या 7,185,471 हो गई है, जबकि वहां 2,06,593 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। भारत, ब्राजील, रूस और पेरू जैसे देशों में भी मरने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। दुनिया भर में अब तक कोविड19 की वजह से 9.82 लाख लोग जान गंवा चुके हैं। भारत में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हर दिन कोरोना वायरस के पॉजिटिव मामले खौफनाक रिकॉर्ड बनाते जा रहे हैं, मगर इस बीच अच्छी खबर भी है। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच राहत की बात यह है कि पिछले पांच दिनों से लगातार कोरोना वायरस से ठीक होने वालों की संख्या ने बड़ा उछाल देखने को मिल रहा है। स्वास्थ्य मंत्रलाय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले लगातार पांच दिनों में देश में हर रोज सामने आए कोरोना के पॉजिटिव केसों से अधिक रिकवरी करने वालों की संख्या है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने पिछले पांच दिनों का डेटा जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि भारत में लगातार पिछले पांच दिनों से कोरोना से रिकवर होने वाले मरीजों की संख्या कोरोना वायरस के सामने आए नए केसों की संख्या से अधिक है। 19 सितंबर से 23 सितंबर तक यानी लगातार पांचवें दिन कोरोना के नए मामलों से अधिक इससे ठीक हो चुके लोगों की संख्या रही है।

'Time मैगजीन 100' की लिस्ट में पीएम मोदी और शाहीन बाग की दादी

नेशनल डेस्क।

अमरीका की टाइम मैगजीन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दुनिया के 100 सबसे असरदार लोगों की लिस्ट में शामिल किया है, साथ ही उन पर निशाना साधते हुए तल्ख टिप्पणियां भी की हैं। टाइम के एडिटर कार्ल विक ने लिखा है कि भारत की 1.3 अरब की आबादी में ईसाई, मुस्लिम, सिख, बौद्ध, जैन और दूसरे धर्मों के लोग शामिल हैं। नरेंद्र मोदी ने इन्हें संशय में डाल दिया है। विक लिखते हैं कि भारत के ज्यादातर प्रधानमंत्री हिंदू समुदाय (देश की 80 प्रतिशत आबादी) से रहे हैं, लेकिन सिर्फ मोदी इस तरह काम कर रहे हैं जैसे उनके लिए कोई और मायने ही नहीं रखता। खासतौर से मुसलमानों को टारगेट किया गया। विरोध को दबाने के लिए महामारी का बहाना मिल गया। नागरिकता कानून (ष्ट) के खिलाफ दिल्ली के शाहीन बाग में हुए प्रदर्शन में शामिल रहीं 82 साल की बिल्किस बानो को भी टाइम की लिस्ट में जगह दी गई है। पत्रकार राणा अय्यूब ने उनके बारे में लिखा है कि बिल्किस हाथ में तिरंगा थामे सुबह 8 बजे से लेकर रात 12 बजे तक धरने पर बैठी रही थीं।

आयुष्मान और सुंदर पिचाई का भी नाम

लिस्ट में आयुष्मान खुराना, गूगल के ष्टश्वह्र सुंदर पिचाई और लंदन में रहने वाले भारतीय मूल के डॉक्टर रवींद्र गुप्ता भी शामिल हैं। ये सभी लोग इस साल दुनियाभर में खासा चर्चा में रहे। पिचाई के बारे में कहा गया है कि भारत से आकर अमरीका में काम करने और 1 ट्रिलियन डॉलर की कंपनी का सी.ई.ओ. बनने तक की उनकी कहानी खास है। आयुष्मान खुराना अकेले भारतीय एक्टर हैं, जिन्हें इस साल टाइम की 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट में जगह मिली है। उनके लिए दीपिका पादुकोण ने लिखा है कि आयुष्मान उन कैरेक्टर्स में भी बहुत अच्छी तरह ढल गए जो बहुत स्टीरियोटाइप समझे जाते हैं। उन्होंने कई यादगार फिल्में दी हैं।

कमला हैरिस, ट्रम्प और जिनपिंग भी लिस्ट में

टाइम मैगजीन की लिस्ट में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ताइवान की राष्ट्रपति त्सई इंग-वेन को भी जगह मिली है। इनके अलावा अमरीका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन, उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस, जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल समेत दुनियाभर के कई नेता शामिल हैं। इस लिस्ट में अमरीकी विशेषज्ञ एंथनी फॉसी का नाम भी है जो कोरोना महामारी के दौर में काफी चर्चा में रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सीएम योगी ने विकास कार्यों की समीक्षा की

संजय मौर्य

कानपुर सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने मण्डलायुक्त, तथा कानपुर मण्डल के समस्त जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कानपुर मण्डल के सभी जनपदों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में तेजी लाकर परियोजनाओं को पूर्ण कराया जाये तथा विकास परियोजनाओं की धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र समय पर भेजते हुए कार्यों का भौतिक सत्यापन भी कराया जाये। उन्होंने प्रत्येक विकास परियोजना के कार्य के निगरानी के लिए एक नोडल अधिकारी तैनात करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्माण कार्यों की समय सीमा तय किये जाने तथा नमामि गंगे परियोजना को सफलता से साथ कार्यों को पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने सड़कों को गढ्ढामुक्त कराये जाने के कार्य को गुणवत्ता से किये जाने तथा प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजनाओं तथा शौचालयों के निर्माण का शत्प्रतिशत जियो टैगिंग किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किये जाने तथा ग्राम सचिवालय की स्थापना किये जाने हेतु स्थानीय स्तर पर निर्विवाद भूमि को शीघ्र चिन्हित करते हुए इन निर्माण कार्यों को शीघ्रता से पूरा कराये जाने के निर्देश दिये। समीक्षा में उन्होंने कहा कि शासन द्वारा अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष पैसे का बेहतर उपयोग करते हुए सभी लम्बित परियोजनाओं को व्यवस्थित ढंग से संचालित किया जाये। उन्होंने कहा कि अधिकारी बडी परियोजनाओं पर समय पर निर्णय लेते हुए कार्य कराये।

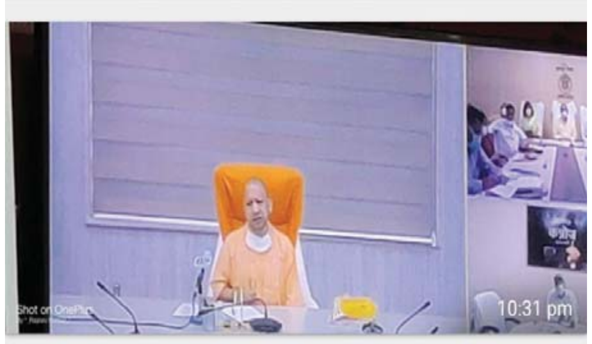

योगी ने जौनपुर व देवरिया को दी करोड़ों रुपए की परियोजनाओं की सौगात

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनपद जौनपुर तथा देवरिया की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने जनपद जौनपुर की लगभग 36 करोड़ 47 लाख रुपए की कुल लागत की 36 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा लगभग 91 करोड़ 70 लाख रुपए की कुल लागत की 44 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने जनपद देवरिया की 28 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। यह परियोजनाएं लगभग 82 करोड़ 33 लाख रुपए की धनराशि से निर्मित की गई है। उन्होंने 131 परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इनके निर्माण पर 382 करोड़ 84 लाख रुपए से अधिक धनराशि व्यय होगी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर जनपद जौनपुर तथा देवरिया के विकास से जुड़ी अनेक घोषणाएं भी कीं। उन्होंने कलीचाबाद में गोमती नदी पर पुल के निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि यह पुल राजा यादवेन्द्र दत्त दुबे के नाम पर निर्मित किया जाएगा। इसके अलावा सिकरारा से शेरवां सड़क का उच्चीकरण करते हुए इसका नामकरण वैज्ञानिक लालजी सिंह के नाम पर किया जाएगा।

उन्होंने निषादराज राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज की घोषणा भी की है। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिकरारा को 100 बेड का अस्पताल बनाने एवं इसका नामकरण वैज्ञानिक लालजी सिंह के नाम पर करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जनपद देवरिया में दिवंगत विधायक जन्मेजय सिंह की स्मृति में एक पार्क का नामकरण किया जाएगा। उन्होंने स्वाधीनता संग्राम सेनानी शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी के नाम पर एक संग्रहालय तथा स्वाधीनता संग्राम सेनानी शहीद सोना सोनार के नाम पर गण्डक नदी पर एक पुल का निर्माण कराए जाने की घोषणा भी की।

डीएम के खिलाफ सपरिवार धरने पर बैठे एसडीएम, लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

प्रतापगढ़ (एजेंसी) उप्र के प्रतापगढ़ जिले के जिलाधिकारी सहित कई अधिकारियों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए अतिरिक्त एसडीएम विनीत उपाध्याय शुक्रवार को परिवार के साथ धरने पर बैठ गए। पहले तो जिलाधिकारी ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माने। जिसके बाद उन्होंने कई एसडीएम व पुलिस अफसरों को मौके पर बुलाया गया। लेकिन बात नहीं बनी और डीएम अपना आवास छोड़कर बाहर निकल गये। उधर, प्रकरण की जानकारी मिलते ही समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एसडीएम के समर्थन में डीएम आवास पहुंच गये और अंदर जाने से रोके जाने पर नारेबाजी करने लगे। वहीं मीडियाकर्मियों को भी अंदर जाने से रोक दिया गया।

प्राप्त विवरण के मुताबिक जिले के अतिरिक्त एसडीएम विनीत उपाध्याय डीएम कैंप कार्यालय पहुंचे। उनके साथ पत्नी और बच्चा भी था। अतिरिक्त एसडीएम ने डीएम डॉ. रूपेश कुमार, एडीएम शत्रोहन वैश्य और लालगंज के पूर्व एसडीएम मोहनलाल गुप्ता पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। इसके साथ ही लालगंज के एक कॉलेज प्रबंधक के फर्जीवाड़े को दबाने का आरोप भी एसडीएम ने डीएम और एडीएम पर लगाया। एसडीएम का कहना है कि यह सब अधिकारी भ्रष्टाचार कर रहे हैं। अतिरिक्त एसडीएम के धरने की सूचना पर पहुंचे मीडियाकर्मियों को डीएम आवास के बाहर ही रोक दिया गया। दूसरी तरफ सपा कार्यकर्ता एसडीएम के समर्थन में डीएम आवास पहुंचे। सपा कार्यकर्ताओं को भी मुख्य गेट के बाहर ही रोक दिया गया। जिसके बाद उन्होंने जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

पत्रकारों को पांच लाख का स्वास्थ्य बीमा, कोरोना से मौत होने पर 10 लाख की सहायता-योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य में मान्यता प्राप्त पत्रकारों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा कवर दिया जाएगा। इसके अलावा कोरोना वायरस संक्रमण से किसी पत्रकार की मौत होने पर उसके परिजन को दस लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने यह घोषणाएं शुक्रवार को राजधानी में नवनिर्मित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सूचना परिसर भवन के उद्घाटन के दौरान कीं।

उन्होंने कहा कि सूचना विभाग शासन और प्रशासन के कार्यों को मीडिया तक पहुंचाने के लिए एक सेतु का काम करता है। उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार के कार्यों का आम जनमानस तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय होता है। शासन का काम योजनाएं बनाना होता है और प्रशासन उसे विभिन्न माध्यमों से आम जन तक पहुंचाता है,

लेकिन जनता, शासन और प्रशासन के बीच में एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में मीडिया की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता।

किसान यूनियन के 105 लोगो को मौके पर ही शांति भंग की आंशका में गिरफ्तार

जरवलरोड बहराइच

समर्थन मूल्य कानून के विरोध में भकियू टिकैत द्वारा जरवलरोड बस स्टॉप तिराहे पर धरना प्रदर्शन कर हाइवे को मार्ग जाम कर दिया गया जिससे मौजूद पुलिस प्रशासन द्वारा सभी को गिरफ्तार कर लिया गया।

शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे से बीकेयू जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश वर्मा की बस स्टॉप तिराहे पर समर्थन मूल्य (एमएसपी) कानून बनने के विरोध में धरना प्रदर्शन चालू किया गया। नारे भी लगाए।

अपने संबोधन में संगठन के जिलाध्यक्ष ने केंद्र सरकार द्वारा पारित कानून को किसान विरोधी बताया। धरना प्रदर्शन के दौरान तहसील अध्यक्ष शिव प्रसाद सोनी मोहनलाल वर्मा अनिरुद्ध प्रसाद गौतम राजेंद्र प्रसाद बृजेश निराले बद्रीनाथ सिंह श्याम सिंह माधव राज यादव पार्वती गौतम निर्मला सीता रंजना चौहान सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

उक्त संबंध में क्षेत्राधिकारी कैसर गंज अरुण चंद्र ने बताया कि

धरने की भनक लगते पर क्षेत्राधिकारी कैसर गंज अरुण चंद्र,एसडीएम महेश कुमार कैथल दर्जनों पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँच गए। प्रदर्शन के दौरान जिला अध्यक्ष ने अन्य समर्थकों के साथ मिल कर दोपहर करीब 2 बजे लखनऊ गोंडा मार्ग को जाम करने का प्रयास किया लेकिन मौके पर ही मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी किसान नेताओ को गिरफ्तार कर जरवलरोड थाने पर ले आयी जिससे नाराज किसान नेताओ ने पुलिस प्रशासन व एसडीएम के विरुद्ध मुर्दाबाद के नारे लगाए। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश वर्मा द्वारा बस स्टॉप तिराहा जरवलरोड पर धरना प्रदर्शन किया जा रहा था इसी बीच जिलाध्यक्ष के इशारे पर उनके समर्थकों द्वारा हाइवे को जाम कर दिया गया। किसान यूनियन के 105 लोगो को मौके पर ही शांति भंग की आशंका में गिरफ्तार कर लिया गया है ।

उपजिलाधिकारी महेश कुमार कैथल द्वारा कुछ देर बाद सभी को निजी मुचलके पर रिहा कर दिया गया।

गांधी जयंती पर होने वाले कार्यक्रम की बैठक संपन्न

कानपुर जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी अतुल कुमार की अध्यक्षता में राष्ट्रपिता महात्मागांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म दिवस दिनांक 02 अक्टूबर को आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने जिला स्तरीय अधिकारियो एवं कार्यक्रम आयोजकों को निर्देशित करते हुये कहा कि कोविड-19 महामारी के प्रोटोकाल को अपनाते हुये एवं केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों जैसे मास्क/फेस कवर प्रयोग,सेनेटाइजेशन व शोसल डिस्टेंसिंग आदि का अनुपालन सुनिश्चित करते हुये गांधी जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि सभी राजकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेगा, सभी कार्यालयों, विद्यालयों और दूसरी संस्थाओं के किसी बड़े कक्ष या हाल में प्रातः 09.00 बजे महात्मागांधी के बड़े चित्र का अनावरण एवं माल्यापण किया जायेगा और उसके बाद गांधी जी के जीवन संघर्ष, उनकी देश सेवा और उनके जीवन मूल्यों पर प्रकाश डाला जायेगा। विशेष रुप से निबलों एवं कमजोरों के कल्याण संबंधी "अन्त्योदय" की उनकी अवधारणा, भावनात्मक एकता, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के संबंध में उनके विचारो का परिचय दिया जायेगा।

उन्होंने स्कूलों और कालेजों में गांधीवादी जीवन के दृष्टि का प्रचार तथा गांधी जी के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों का वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं गोष्ठी ऑनलाइन आयोजित कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी महान पुरुषो की मूर्तियों की साफ-सफाई एवं माल्यापण किये जाने तथा मलिन बस्तियों में विशेष रुप से साफ-सफाई नगर निगम द्वारा कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने हिन्दू अनाथालय, नारी निकेतन तथा अस्पतालों में फल वितरण भी किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने गांधी जयंती के अवसर पर महिलाओं की उन्नति के लिये बालिका शिक्षा के प्रसार,

पुलिस उत्पीड़न के खिलाफ कांग्रेसी सड़को पर

संजय मौर्य

कानपुर विगत दिनो महोबा जनपद के व्यापारी स्व0 इन्द्रकांत त्रिपाठी की पुलिस अधीक्षक की सांठगांठ से की गई जघन्य हत्या के उपरान्त पीड़ित परिवारीजनो से भेंटकर सहानुभूति व्यक्त करने एवं जघन्य अपराध की सच्चाई जानने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू द्वारा 10 सदस्यीय एक कमेटी का गठन किया गया जिसे महोबा पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात करनी थी लेकिन तानाशाहीपूर्ण प्रदेश सरकार ने पीड़ित परिवारो से कोई भी न मिल सकें इसलिए रास्ते मे ही भारी जद्दो जहद के बाद कांग्रेस जनो को गिरफ्तार कर लिया गया।

उपरोक्त कमेटी मे कानपुर से पूर्व सांसद राकेश सचान, कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरप्रकाश अग्निहोत्री, पूर्व पार्षद शरद त्रिवेदी, पूर्व पार्षद महेन्द्र त्रिपाठी पुत्तू के घरो को स्थानीय पुलिस प्रशासन ने छावनी बना दिया ताकि यह लोग घरो से निकल कर पीड़ित परिवार से मिलकर उनके दुःख दर्द को न जान सके किसी तरह शहर अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद अपने घरो से पुलिस को चकमा देकर पूर्व सांसद के साथ तमाम कांग्रेस जन महोबा के लिए चले तो पुलिस ने घेरा बंदी करके किदवई नगर, यशोदा नगर बाईपास, नौबस्ता मे रोकने का प्रयास किया लेकिन कांग्रेस जन पैदल ही पुलिस से लपटा झपटी करते हुये मंडी समिति तक पहुचकर सड़क पर धरना देकर रोड जाम कर दिया जिसपर पुलिस ने हाथ पकड़ करके खींच कर पूर्व सांसद राकेश सचान एवं शहर अध्यक्ष हरप्रकाश अग्निहोत्री सहित कांग्रेसजनो को गाड़ी मे लादकर किदवई नगर स्थित पूर्व सांसद के निवास पर हाउस अरेस्ट करके बैठाये रखा और शाम 5 बजें रिहा किया गया।

पूर्व सांसद राकेश सचान ने कहा कि उत्तर प्रदेश मे जंगल राज कायम है कोई भी व्यक्ति सुरक्षित नही है तथा योगी सरकार नादिरशाही की तरह अपने खिलाफ उठने वाली हर आंवाज को शासन सत्ता के बल पर दबाना चाहती है लेकिन कांग्रेस का कार्यकर्ता किसी भी कीमत पर दबने वाला नही है।

शहर अध्यक्ष हरप्रकाश अग्निहोत्री ने कहा कि लोकतंत्र का गला घोटने वाली सरकार पीड़ित परिवारो से मिलने जा रहे कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल से इतना भयभीत एवं डर गई कि वह किसी भी सीमा तक जाकर विपक्ष की आवाज दबाना चाहती है पता नही कि पीड़ित परिवार से मिलकर उनके दुःख दर्द को सुनने से कौन सा लोकतंत्र खतरे मे आ जाता इतनी बर्बरता तो अंग्रेजो ने भी नही की होगी तथा कहा कि हम सोनिया गांधी, राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी के कार्यकर्ता है जब अंग्रेजो से नही डरे तो इन फिरका परस्त ताकतो से डरने का सवाल ही नही है।

महोबा प्रस्थान करने एवं धरना प्रदर्शन एवं सड़क जाम करने वालो मे राकेश सचान, हरप्रकाश अग्निहोत्री, शरद त्रिवेदी, राजेश सिंह, आकाश अवस्थी, दिलीप बाजपेई, प्राणनाथ मिश्रा, गोरेलाल गिहार, के0के0 बाजपेई, जीत सिंह, वरुन गुप्ता, अवनीश सलूजा, योगेन्द्र पाल, मोहित सिंह, अब्दुल जब्बार आदि लोग प्रमुख रुप से शामिल थे।

सार-समाचार

कर्ज में डूबे किसान ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

रायबरेली (एजेंसी)। जिले के खीरो थाना क्षेत्र के गांव मोहनपुर मजरे लोदीपुर निवासी कर्ज में डूबे एक किसान ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पत्नी की शोर सुनकर पड़ोसी उसे अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक किसान की पत्नी नेघटना की सूचना पुलिस को दी।

प्राप्त विवरण के अनुसार मोहनपुर निवासिनी कमलेश कुमारी ने बताया कि उसका पति शिव कुमार (42) पुत्र महादेव यादव खेती करते थे। उसने रनापुर पहरौली में स्थित बड़ौदा यूपी उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक से किसान क्रेडिट कार्ड पर ऋण लिया था लेकिन फसल खराब हो जाने व बेसहारा मवेशियों द्वारा बर्बाद कर देने के कारण बैंक का ऋण अदा नहीं कर सके। इसी दौरान बीती 25 जून 2020 को उसने क्षेत्र के महाजनों से कर्ज लेकर अपनी बड़ी बेटी अमिता की शादी भी की थी। और ऋण अदा करने का कोई रास्ता नहीं दिख रहा था। इसी बात को लेकर वह अक्सर तनाव में रहता था। गुरुवार की रात सभी परिवार के लोग खाना खाकर सो गए। शुक्रवार की सुबह लगभग तीन बजे जब उसकी आंख खुली तो उसका पति उसी की साड़ी से घर के अन्दर छत के कुंडे के सहारे लटकता मिला। पुलिस ने शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सुपारी लेकर बाराबंकी में हत्या करने जा रहे दो शार्प शूटर गिरफ्तार

अयोध्या (एजेंसी)। सुपारी लेकर हत्या करने जा रहे दो शार्प शूटरों को पटरंगा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी ने सुपारी किलर को दबोचने वाली टीम को पांच हजार का इनाम दिया है। जानकारी के मुताबिक पुलिस उपमहानिरीक्षक-वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार द्वारा अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहें।

फतेहपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना का 51वां स्थापना दिवस डॉ भीमराव अंबेडकर राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय फतेहपुर में प्राचार्य डॉ अपर्णा मिश्रा की अध्यक्षता में वर्चुअल प्लेटफार्म पर मनाया गया । इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओ द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य को प्राप्त करने तथा कोरोना काल मे अपने दायित्वो के पालन की शपथ ली इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य ने स्वयं सेविकाओ को बताया कि एन एस एस के माध्यम से अपने व्यक्तित्व का विकास तो करे ही साथ ही साथ समाज एवं राष्ट्र के प्रति भी अपने नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करे ।कार्यक्रम अधिकारी डॉ रेखा वर्मा द्वारा कोरोना संकट के समय स्वमसेविकाओ की भूमिका व सहयोग पर विस्तार से चर्चा किया गया ।

जहरीला पदार्थ निगलने से व्यक्ति की मौत

उन्नाव । पुरवा कोतवाली क्षेत्र के गांव नौगवां में लॉक डाउन के दौरान भांजी के घर आये एक अधेड़ ने जहरीला पदार्थ शुक्रवार दोपहर निगल लिया। परिजनों को जानकारी होने पर निजी साधन से जिलाअस्पताल ले गए। जहां उसकी मौत हो गयी।

बारासगवर थाना क्षेत्र के घुरई खेड़ा निवासी अधेड़ गोवर्धन यादव लॉक डाउन के चलते मार्च में अपनी भांजी मालती के ससुराल पुरवा कोतवाली के गांव नौगवा आया था। तब से यही रह रहा था। सुबह खाना खाकर गांव के बाहर घूमने चला गया। दोपहर बाद ग्रामीणों ने सड़क पर इसे बेहोश हालत में पड़ा देख मृतक की भांजी के पति तेजपाल यादव को जानकारी दी। तेजपाल निजी साधन से जिलाअस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गयी। परिजनों के मुताबिक मृतक शादीशुदा नही था। तनाव के चलते आत्महत्या कर ली है। देर शाम पुरवा कोतवाल अनिल कुमार गांव पहुंचकर जाँच पड़ताल की।

प्राइवेट हॉस्पिटलों में मरीजों की सुविधा के तहत डीएम का औचक दौरा जारी

कानपुर नगर में प्राइवेट अस्पतालों द्वारा मरीजो को दी जा रही सुविधा पर जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपना लिया है इसी कड़ी में आज डीआईजी/ एसएसपी , जिलाधिकारी , मुख्य चिकित्सा अधिकारी नगर द्वारा तेग बहादुर सिंह हॉस्पिटल लाजपत नगर का औचक निरीक्षण किया गया। तथा डीएम ने अस्पताल के द्वारा मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का भी जायजा लिया तथा मरीजों के हाल-चाल भी लिए और हॉस्पिटल प्रशासन को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार नहीं होना चाहिए अगर किसी भी प्रकार की कोई जानकारी मरीजो द्वारा अस्पताल प्रशासन के खिलाफ प्राप्त होगी तो अस्पताल पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किसान विरोधी बिल पास किए जाने के विरोध में कांग्रेसियों ने दिया ज्ञापन

कानपुर किसान कांग्रेस के नेतृत्व में किसान विरोधी बिल पास किए जाने के विरोध में विकास भवन गीता नगर कानपुर में ज्ञापन दिया गया! जुलूस की शक्ल में किसान कांग्रेस जन लोग एकत्र होकर सैकड़ों की तादात में किसान विरोधी बिल वापस लो ,किसानों के सम्मान में कांग्रेस मैदान में, विभिन्न नारे लगाते हुए !कानपुर मुख्य विकास अधिकारी जी को ज्ञापन दिया गया !ज्ञापन देने में प्रमुख रूप से कानपुर किसान कांग्रेस के अध्यक्ष नरेंद्र चंचल कुशवाहा इंटक के उपाध्यक्ष राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय सिंह भदोरिया नगर ग्रामीण के संस्थापक अध्यक्ष श्री श्याम देव सिंह जी कल्याणपुर विधानसभा के नेता राजीव द्विवेदी एडवोकेट साहब नगर ग्रामीण के नेता रवि सिंह गौर अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व चेयरमैन तुफैल अहमद, अमित शुक्ला, मोनू , मनोज पटेल ,डॉक्टर निसार अहमद ,महेश चंद्र शुक्ला , मोहन लाल कुरील ,सुजीत यादव ,लकी कुशवाहा ,आदिल कुरेशी ,इमरान फारुकी, राजेश सोनकर बीना मौर्य, राधेश्याम , राकेश शुक्ला ,शानू अंसारी, निसार अहमद, अमित अग्निहोत्री, विवेक पांडे ,राजू शाह आदि लोग मौजूद थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पति के आत्महत्या के मामले में पत्नी और उसका प्रेमी गिरफ्तार

अहमदाबाद शहर के कागड़ापीठ क्षेत्र में कुछ दिन पहले भरत मारु नामक युवक ने आत्महत्या कर ली थी।

मामले की जांच कर रही कागडापीठ पुलिस ने मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। जांच में पता चला कि मृतक की पत्नी दक्षा का पिछले तीन महीने से जिग्नेश मकवाणा के साथ प्रेम संबंध था।

दक्षा का यह पहला प्रेम संबंध नहीं था। 10 साल पहले दक्षा की नितिन सोलंकी के साथ शादी हुई थी।

लेकिन 10 दिन में पता चला कि दक्षा का गारियाधार के एक युवक से प्रेम संबंध है।

जिसकी वजह से नि. तिन सोलंकी और दक्षा डिवार्स हो गयाद्य 9 साल पहले दक्षा अहमदाबाद के गीता मंदिर रोड पर अपनी बहन के साथ रहती थी। तब उसे भरत मारु से प्यार हो गया और दोनों ने शादी कर ली। भरत और दक्षा के एक पुत्र है जो अब तीन साल का हो चुका है। पिछले तीन महीने से दक्षा जिग्नेश मकवाणा नामक शख्स से प्यार करने लगी।

जिग्नेश मकवाणा शादीशुदा और दो बच्चों का पिता है।

भरत मारु को जब दक्षा और जिग्नेश के प्रेम संबंधों का पता चला तो उसने आत्महत्या कर ली।

भरत मारु को आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने के आरोप में उसकी पत्नी दक्षा और जिग्नेश मेवाणी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

आत्महत्या की कोशिश की दो अलग अलग घटना में फायर ने दो लोगों को बचाया

सूरत के उत्राण ब्रिज से एक महिला ने और अमरोली ब्रिज से एक किशोर ने तापी नदी में कूदकर आत्महत्या का प्रयास कियां। हांलाकि समय पर फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और महिला व किशोर को नदी

से सुरक्षित बाहर निकाल लियां। जानकारी के मुताबिक सूरत के उत्राण रेलवे ब्रिज से सुबह करीब 9 बजे के आसपास एक महिला ने तापी नदी में छलांग लगा दीं। खबर मिलते ही मोटो वराछा और कोसाड फायर विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंच गईं।

टीम के जवान ब्रिज पर रस्सी बांध कर सीधे नदी में उतरे और पिलर के नीचे तापी नदी में फंसी 30 वर्षीय काली मनोजभाई पारधी नामक महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लियां।

महिला को जब अस्पताल ले जाया जा रहा था तो उसने उपचार कराने से इंकार कर दिया और भाग गईं।

करीब पौने दस बजे के आसपास सूरत के सवजी कोराट ब्रिज से एक किशोर ने तापी नदी में छलांग लगा दीं। सूचना मिलते ही वराछा फायर विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और 15 वर्षीय चेतन रतनसिंह ठाकोर नामक किशोर को नदी से सुरक्षित बाहर निकालकर पुलिस के हवाले कर दियां।

सूरत फायर विभाग ने समय पर कार्यवाही कर 45 मिनट में आत्महत्या का प्रयास करने वाले महिला और किशोर की जान बचा लीं।

गुजरात में अब तक 1.10 से ज्यादा कोरोना से ठीक हुए, रिकवरी रेट 84.74:

अहमदाबाद गुजरात में कोरोना का आंकड़ा 1.30 लाख को पार कर गया है और इसमें से अब तक 1.10 लाख से अधिक लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैंद्य राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 84.74 प्रतिशत है।

पिछले 24 घंटे में राज्य में 1442 नए केस सामने आए हैं और 1279 लोगों को डिस्चार्ज किया गयाद्य जबकि 12 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बीते 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 184, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 160, सूरत में 116, राजकोट कॉर्पोरेशन में 111, जामनगर कॉर्पोरेशन में 102, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 94, मेहसाणा में 48, बनासकांठा में 41, वडोदरा में 40, राजकोट में 37, अमरेली में 34, पाटन में 34, कच्छ में 30,

भावनगर कॉर्पोरेशन में 29, सुरेन्द्रनगर में 28, पंचमहल में 27, भरुच में 26, मोरबी में 25, गांधीनगर में 24, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 24, अहमदाबाद में 22, जूनागढ़ में 17, भावनगर में 16, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 16, साबरकांठा में 14, आणंद में 13, दाहोद में 12, जामनगर में 12, महीसागर में 12, गिर सोमनाथ में 11,

अरवल्ली में 10, बोटाद में 10, खेडा में 10, नर्मदा में 10, देवभूमि में 9, नवसारी में 9, छोटाउदेपुर में 7, तापी में 7, वलसाड में 7 और पोरबंदर में 4 समेत कुल 1442 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आएद्य जबकि 1279 लोगों को डिस्चार्ज किया गया।

2 फीसदी वार्षिक ब्याज दर पर ऋण देने वाली गुजरात की पहली योजना है 'आत्मनिर्भर गुजरात सहाय' योजनाः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज विधानसभा में कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना की स्थि. ति में से छोटे व्यापारियों, कारीगरों और व्यवसाय–रोजगार करने वालों को फिर से पटरी पर लाने के लिए 'आत्मनिर्भर गुजरात सहाय योजना' के अंतर्गत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिए 1,418 करोड़ रुपए सीधे जरूरतमंद लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा किए गए हैं। सामान्य तबके और रोज कमाने–खाने वालों तथा छोटे व्यवसायिकों के लिए यह सहायता योजना 'छोटे व्यक्ति की बड़ी योजना' बनी है। विसनगर के विधायक ऋषिकेशभाई पटेल की ओर से 'आत्मनिर्भर गुजरात सहाय' योजना को लेकर पूछे गए अल्पसूचित प्रश्न के जवाब में बतौर नेता सदन विजय रूपाणी ने कहा कि केवल दो फीसदी वार्षिक ब्याज की दर से ऋण प्रदान करने की 'आत्मनिर्भर गुजरात सहाय' योजना राज्य के इतिहास में पहली योजना है। रूपाणी ने बताया कि कोरोना की स्थिति में लॉकडाउन के कारण उद्योग–व्यापार और व्यवसाय पर आर्थिक नजरिये से जो विपरित

प्रभाव पड़ा है, उसमें से खासकर छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और कारीगरों को 1 लाख से 2.50 लाख रुपए का ऋण प्रदान कर उनकी स्थिति को पूर्ववत करने के लिए राज्य सरकार ने यह योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के उद्योग–व्यापार, व्यवसाय और रोजगार को समग्र रूप से गतिशील करने के लिए सरकार ने 14 हजार करोड़ रुपए का 'गुजरात आत्मनिर्भर पैकेज' भी घोषित किया है। विजय रूपाणी ने कहा कि राज्य के छोटे व्यापारियों, निजी व्यवसायिकों और आम व्यक्तियों सहित हाशिये पर खड़े लोगों के लिए यह 'आत्मनिर्भर गुजरात सहाय' योजना कोरोना के बाद की जीवन व्यवस्था में सहारा बनेगी।

सहकारिता मंत्री ईश्वरसिंह पटेल ने प्रश्न के प्रत्युत्तर में कहा कि, इस योजना के अंतर्गत अब तक राज्य के 1.70 लाख से अधिक आवेदकों का लगभग 1,647 करोड़ रुपए का ऋण मंजूर कर दिया गया है। यही नहीं, राज्य में फु. टपाथ पर धंधा करने वाले लगभग सवा लाख लोगों ने आवेदन किया था जिसमें से 50 हजार से अधिक लोगों का ऋण मंजूर कर उनके बैंक खाते में ऋण की रकम जमा भी कर दी गई है। पटेल ने कहा कि यह पैकेज समाज के किसी इक्के–दुक्केवर्ग या व्यक्तियों को नहीं बल्कि छोटे से छोटे, हाशिये पर खड़े गरीब, वंचित, पीड़ित, श्रमिक, छोटे व्यापारी, उद्योग, छोटा धंधा–रोजगार करने वाले व्यापारी या कारीगर तबके सहित सभी के हित की प्रतिबद्धता के साथ तैयार किया गया पैकेज है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पैकेज आर्थिक परिस्थिति में सुधार लाने के साथ ही राज्य के जनजीवन और अर्थव्यवस्था को पुनःगतिशील बनाएगा।

सोलर रुफटॉप सिस्टम स्थापित करने में गुजरात देशभर में अव्वल : ऊर्जा मंत्री

अहमदाबाद ऊर्जा मंत्री सौरभ पटेल ने आज बताया कि 31 अगस्त तक देशभर में रुफटॉप की स्थापित क्षमता 3088.74 मेगावाट हैं। जिसमें से 735.18 मेगावाट यानी 24 प्रतिशत के साथ गुजरात देशभर में सबसे नंबर वन पर हैं। गुजरात विधानसभा एक प्रश्न के उत्तर में ऊर्जा मंत्री ने कहा कि राज्य में घरेलू बिजली कनैक्शन के उपभोक्ता सूर्य ऊर्जा द्वारा बिजली पैदा कर निजी उपयोग को छोड़ अतिरिक्त बिजली बेच सकें, इसके लिए सूर्य गुजरात सोलर रुफटॉप योजना के तहत सोलर रुफटॉप स्थापित करने में गुजरात देशभर में अव्वल हैं। घरेलू उपयोग के लिए स्थापित सोलर रुफटॉप सिस्टम के जरिए उपभोक्ता निजी उपयोग के बाद अतिरिक्त बिजली राज्य सरकार को प्रति यूनिट रु. 2.25 पर बेचकर आय प्राप्त कर सकते हैंद्य इस योजना में 3 किलोवाट तक सोलर रुफटॉप सिस्टम स्थापित करने के लिए उपभोक्ता को 40 प्रतिशत सब्सिडी और 3 किलोवाट से अधिक 10 किलोवाट तक 20 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। सामान्य रूप से 3 किलोवाट का सोलर सिस्टम लगाने पर रु. 139017 का खर्च होता है, जिसमें सब्सिडी को माइनस कर उपभोक्ता को 83407 रुपए भरने होते हैंद्य ऊर्जा मंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत ग्रुप हाउसिंग सोसायटी, रेसिडेन्सियल वेल्फेयर एसोसिएशन सोसायटी की स्ट्रीटलाइट, वाटर वर्कस, लिफ्ट, जिम, स्वीमिंग पुल, गार्डन जैसी कॉमन सुविधाओं के बिजली कनैक्शन के लिए सोलर रुफटॉप सिस्टम स्थापित करने 20 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाती है और 500 किलोवाट क्षमता का सोलर रुफटॉप सिस्टम स्थापित किया जा सकता हैद्य उन्होंने कहा कि सूर्य गुजरात योजना के अंतर्गत आगामी 3 वर्ष में 1800 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य है।

इस योजना के लिए वर्ष 2019–20 के बजट में 600 मे. गावाट के लक्ष्य के लिए रु. 1000 करोड़ का आवंटन किया गया और वर्ष 2020–21 में भी 600 मेगावाट का लक्ष्य रखा गया है और उसके लिए बजट में रु. 912.29 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

इस योजना के चलते स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त उर्जा का उत्पादन होगा और बिजली बिल में भी लोगों को राहत मिलेगीद्य इतना ही नहीं बल्कि घरेलू उप. भोक्ता निजी उपयोग के अतिरिक्त बिजली बेचकर आय भी प्राप्त कर सकेंगें। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सोलर रुफटॉप स्थापित क्षमता में भारत के 3088.74 मेगावाट के लक्ष्य में गुजरात 31 अगस्त 2020 तक 735.18 मेगावाट के साथ 24 प्रतिशत हिस्से के साथ देशभर में नंबर वन पर रहां। अन्य राज्यों की बात करें तो राजस्थान का हिस्सा 12 प्रतिशत, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु का 8–8 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश का 7 प्रतिशत, दिल्ली का 5 प्रतिशत, तेलंगाना, हरियाणा और पंजाब का 4 प्रतिशत हिस्सा है। सौरभ पटेल ने कहा कि राज्य के ज्यादा से ज्यादा घरेलू उपभोक्ता इस योजना का लाभ लें और स्वच्छ व प्रदूषण मुक्त उर्जा के उत्पादन व उपयोग में सहभागी बने, इसके लिए आगामी समय में जनजागृति अभियान चलाया जाएगां।

कांग्रेस के पूर्व विधायक इंद्रनील राज्यगुरु की घर वापसी

राजकोट कांग्रेस के पूर्व विधायक इंद्रनील राज्यगुरु वापस कांग्रेस में लौट आएं। विपक्ष के नेता परेश धानाणी के निवास पर गुजरात कांग्रेस के प्रभारी राजीव सातव, प्रदेश अध्यक्ष अमित चावडा और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन मोढवाडिया की मौजूदगी में इंद्रनील राज्यगुरु ने फिर एक बार कांग्रेस का दामन थाम लियां। घर वापसी के इंद्रनील राज्यगुरु ने कहा कि वह फिर एक बार कांग्रेस में सक्रिय हो रहे हैं। विस्तार से जानकारी देने के लिए कल अहमदाबाद में पत्रकार परिषद करूंगां। गौरतलब है कि 2017 में इंद्रनील राज्यगुरु ने मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के खिलाफ राजकोट में चुनाव लड़ा था और हार गए थें।

चुनाव के बाद पार्टी में गुटबंदी के चलते राज्यगुरु ने कांग्रेस छोड़ दी थीं। लेकिन पिछले कई दिनों से राज्यगुरु के कांग्रेस में फिर सक्रिय होने की चर्चा थीं। राज्यसभा चुनाव के दौरान सौराष्ट्र के विधायकों के टूटने का कांग्रेस को डर थां। नाराज विधायकों को इंद्रनील राज्यगुरु के रिसोर्ट पर रखा गया थां।

गुजरात विधानसभा की 8 सीटों पर उपचुनाव का फैसला 29 सितंबर को

गुजरात में उपचुनाव की तारीख पर 29 सितंबर को होनेवाली निर्वाचन आयोग की बैठक में मुहर लगेगीं। गुजरात विधानसभा की 8 सीटों पर उपचुनाव होना हैद्य माना जा रहा था कि बिहार विधानसभा चुनाव के साथ ही गुजरात में उपचुनाव का भी ऐलान किया जाएगां। लेकिन अब आगामी 29 सितंबर को चुनाव आयोग की बैठक होगी और उसमें गुजरात में उपचुनाव को लेकर फैसला किया जाएगाद्य बता दें कि राज्यसभा चुनाव से पहले गुजरात में कांग्रेस के 8 विधायकों ने इस्तीफा दे दिया थां। जिसमें कपराडा से जीतु चौधरी, डांग से मंगल गावित, लींबडी से सोमा पटेल, गढ़डा से प्रवीण मारू, धारी से जेवी माकडिया, मोरबी से ब्रिजेश मेरजा, कपराडा से अक्षय पटेल और अबडासा से प्रद्युम्नसिंह जाडेजा शामिल हैं।

अहमदाबाद-खुर्दा रोड बीच एक और स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की माँग व उनकी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद से खुर्दा रोड के बीच एक और स्पेशल ट्रेन चलायी जा रही है। यह स्पेशल ट्रेन अहमदाबाद से 3 अक्टूबर 2020 से 24 अक्टूबर 2020 तक प्रति शनिवार तथा खुर्दा रोड से 30 सितंबर से 21 अक्टूबर 2020 तक प्रति बुधवार चलेगी है जो इस प्रकार है। इस ट्रेन के सभी कोच रिज़र्व रहेंगे। ट्रेन संख्या 08408 अहमदाबाद–खुर्दारोड– स्पेशल 03 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2020 तक प्रति शनिवार रात्रि 00.15 बजे अहमदाबाद से चलकर प्रति रविवार दोपहर 14.30 बजे खुर्दा रोड पहुँचेगी वापसी में ट्रेन 08407 खुर्दा रोड–अहमदाबाद स्पेशल दिनांक 30 सितंबर से 21 अक्टूबर 2020 तक प्रति बुधवार प्रातः 10.40 बजे खुर्दा रोड से चलकर प्रति शुक्रवार रात्रि 03.20 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी। उक्त अवधि के दौरान यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा, भरुच, सूर, नंद. ूरबार, जलगांव, भुसावल, ज़ंवड़नेरा ज़ं, वर्धा ज़ं, चंद्रपुर, बल्लारशाह जं, सिरपुर कागज़ नगर, मंचरियाल, रामागुंडम, वारंगल, विजयवाडा, एल्लुरु, राजामुंद्री, अंकपल्ली, दुव्वाडा, कोटावलासा, विजिनगरम, श्रीकाकुलम रोड व ब्रह्मपुर स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में सैकण्ड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर, सेकंड सिटिंग व पेंट्रीकार कोच रहेंगे।

माता के मढ में सदियों की परंपरा टूटेगी, नवरात्रि पर श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेगा मंदिर

कच्छ स्थित माता के मढ में इस साल सदियों पुरानी परंपरा टूटेगीद्य कोरोना संकट के चलते इस वर्ष नवरात्रि में श्रद्धालुओं के लिए माता का मढ बंद रहेगां। माता के मढ में बिराजमान आशापुरा माता के दर्शन करने लाखों श्रद्धालु आते हैं। नवरात्रि के पावन अवसर पर करीब 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु माता के मढ आते हैं। लेकिन इस वर्ष कोरोना संकट के बीच 1600 साल पुरानी परंपरा टूट जाएगीं।

कोरोना संक्रमण फैलने की आशंका को देखते हुए नवरात्रि के दौरान आशापुरा माता का मंदिर श्रद्धालुओं के लिए बंद रखने का फैसला किया गया हैं।

मुख्यु रूप से कच्छ में यहां की कुल देवी माता आशापुरा की पीठ है। आशापुरा माता को कई समुदाय अपनी कुलदेवी के रूप में मानते हैं। इनमें से मुख्य रूप से नवानगर, राजकोट, मोरवी, गोंडल बारिया राज्य के शासक

वंश, चौहान, और जाडेजा राजपूत शामिल हैं। कच्छर के गोसर और पोलादिया समुदाय के लोग भी आशापुरा माता को अपनी कुलदेवी मानते हैं। आशापुरा माता के द्वार आनेवाले प्रत्येक श्रद्धालु की आशा पूरी होती है, इसीलिए उन्हें आशापुरा कहा जाता हैद्य आशापुरा का दिव्य स्वरूप सभी को आकर्षित करता हैं। लेकिन कोरोना काल में श्रद्धालुओं को मंदिर में दर्शन का लाभ नहीं मिल. गाद्य प्रांत अधिकारी और ट्रस्टियों की बैठक में कोरोना संक्रमण फैलने की आशंका के चलते इस वर्ष श्रद्धालुओं के लिए मंदिर बंद रखने का फैसला किया गया हैं। 13 से 25 अक्टूबर मंदिर के बंद रहने की अधिसूचना भी जारी की गई हैं।

हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान धूम्रपान करते पकड़े गए वकील, कोर्ट ने ठोका जुर्माना

देश और दुनिया में कोरोनावायरस का कहर तेजी से फैल रहा है. इसे देखते हुए कई व्यापक बदलाव किए गए हैं। अदालतों में मामलों की सुनवाई वर्चुअल तरीके से हो रही है। इस बीच गुजरात हाईकोर्ट में एक मामले की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई के दौरान वकील के

धूम्रपान का मामला सामने आया है। कोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए वकील पर जुर्माना लगाया है। साथ ही वकील के इस आचरण की निंदा की है। कोरोना संकट की वजह से हाईकोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये मामलों की सुनवाई चल रही है। एक मामले की सुनवाई के दौरान, जस्टिस ए.एस. सुपेहिया ने देखा कि शिकायतकर्ता के वकील कार में बैठे धूम्रपान कर रहे थे। कोर्ट ने वकील जेवी. अजमेरा के गैर–जिम्मेदाराना आचरण के लिए उनकी खिंचाई की और उन पर जुर्माना लगाया है। जस्टिस

सुपेहिया ने अपने आदेश में कहा ?कि यह कोर्ट अधिवक्ता जेवी अजमेरा के इस आचरण पर गंभीरता से आपत्ति जताती है। साथ ही उन्हें एक हफ्ते के अंदर कोर्ट की रजिस्ट्री में 10,000 रुपउ जमा करने का आदेश देती है। जज ने कहा ?कि एक अधिवक्ता से यह उम्मीद नहीं की जाती है कि वह कोर्ट में सुनवाई के दौरान कार में बैठकर स्मोकिंग करेगा। एडवोकेट के इस तरह के आचरण की कड़ी निंदा की जाने की जरूरत है। इस घटना के बाद कोर्ट ने अधिवक्ताओं के किसी वाहन या खुले मैदान से सुनवाई में शामिल होने पर रोक लगा दी है। साथ ही गुजरात बार काउंसिल और हाईकोर्ट बार एसोसिएशन को निर्देश दिया है कि वे अपने सदस्यों को घर या दफ्तर से ऑनलाइन सुनवाई में शामिल होने को कहें।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)